सु-विचार
*मन खराब हों तो भी गलत शब्द न बोले
क्योंकि बाद में मन सही हो सकता हैं,
लेकिन बोले गए शब्द नहीं।
....अज्ञात*

सांध्य दैनिक
# नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-10 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 28 जनवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

## जननेता से सत्ता स्तंभ तक - एक युग का अंत, राजनीति में गहरा शून्य

# बारामती विमान हादसा: उपमुख्यमंत्री अजित पवार का असामयिक निधन, महाराष्ट्र और देश में शोक की लहर

संदीप सिंह की रपट / बारामती (महाराष्ट्र)

***28 जनवरी 2026 की सुबह महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए एक ऐसा काला दिन बन गई, जिसे आने वाली पीढ़ियाँ भी याद रखेंगी। वरिष्ठ नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का चार्टर्ड विमान बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस भीषण हादसे में विमान में सवार सभी 5-6 लोगों की मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है।***

सुबह करीब 10 बजे विमान उतरने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक नियंत्रण बिगड़ गया और विमान जमीन से टकराकर आग का गोला बन गया। घटनास्थल पर धुएँ का विशाल गुबार, बिखरे टुकड़े और जले अवशेष हादसे की भयावहता को बयां कर रहे थे। स्थानीय प्रशासन, अग्निशमन दल और मेडिकल टीमें तुरंत मौके पर पहुँचीं, लेकिन किसी को बचाया नहीं जा सका।

### अजित पवार: सहकारिता से सत्ता के शिखर तक का सफर

22 जुलाई 1959 को जन्मे अजित पवार ने राजनीति की शुरुआत 1980 के दशक में सहकारी आंदोलन से की। किसानों, मजदूरों और ग्रामीण समाज के बीच काम करते हुए उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। 1995 में पहली बार बारामती से विधायक बने और इसके बाद लगातार कई बार जनता का भरोसा जीता। कृषि, जल संसाधन, ऊर्जा, वित्त जैसे अहम विभागों को संभालते हुए उन्होंने खुद को एक मजबूत प्रशासक के रूप में स्थापित किया। 2010 में पहली बार उपमुख्यमंत्री बने और इसके बाद कई बार इस पद पर पहुंचे। 2019 की 80 घंटे की सरकार से लेकर टश्अ और बाद में महायुति सरकार तक, उन्होंने हर राजनीतिक दौर में खुद को प्रासंगिक बनाए रखा। वे अपनी राजनीतिक सूझबूझ, तेज फैसलों और जमीनी संपर्क के लिए जाने जाते थे। समर्थक उन्हें 'काम करने वाला नेता' कहते थे, जबकि विरोधी भी उनकी रणनीतिक क्षमता के कायल थे।

### देशभर के शीर्ष नेताओं ने जताया गहरा शोक, हर दल से उठी

संवेदनाओं की आवाज बारामती विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के असामयिक निधन पर देशभर के राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक नेतृत्व ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सत्ता पक्ष, विपक्ष और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से लेकर राष्ट्रीय नेताओं तक, सभी ने इसे देश की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे NDA परिवार और अपने लिए व्यक्तिगत क्षति बताया। उन्होंने कहा कि अजित पवार ने साढ़े तीन दशकों तक महाराष्ट्र के हर वर्ग के कल्याण के लिए स्वयं को समर्पित किया।

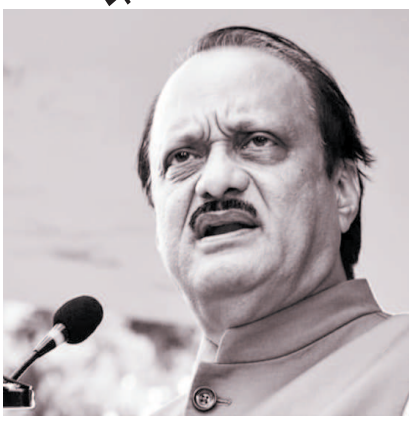



### हादसे के बाद प्रशासन हाई-अलर्ट पर

घटना के तुरंत बाद जिला प्रशासन ने पूरे इलाके को सील कर दिया। राहत-बचाव दल, फॉरेंसिक विशेषज्ञ और विमानन विभाग की टीमें जांच में जुट गईं। प्रारंभिक रिपोर्ट में तकनीकी खराबी या मौसम की भूमिका की आशंका जताई जा रही है। केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों से बचें और जांच पूरी होने तक संयम रखें।

### एकजुटता का प्रतीक बना शोक संदेशों का सैलाब

अजित पवार के निधन पर जिस तरह सत्ता पक्ष, विपक्ष, केंद्र और राज्यों के नेताओं ने एक स्वर में संवेदना व्यक्त की है, वह उनके व्यक्तित्व, राजनीतिक कद और जनसेवा के प्रति सम्मान को दर्शाता है। यह स्पष्ट करता है कि वे केवल एक दल के नेता नहीं, बल्कि पूरे देश के सम्मानित जननेता थे। उनके जाने से महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी एक ऐसा शून्य उत्पन्न हुआ है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं दिखाई देती।

### विकास या विनाश?

सरकार इसे 'ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट' कहती है, लेकिन गांवों के लिए यह— जहरीला पानी, बीमारियां, बेरोजगारी और पलायन की स्थिति बनती जा रही है। न्यू लुक बायो फ्यूल्स का एथेनॉल प्लांट आज आसपास के गांवों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। यदि अब भी ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले समय में यह इलाका गंभीर पर्यावरण और स्वास्थ्य संकट का केंद्र बन जाएगा। अब सवाल सिर्फ इतना है— क्या सरकार गांवों की जान बचाएगी, या मुनाफे के आगे सब चुप रहेगा?

### जनता में शोक, बारामती में पसरा सन्नाटा

अजित पवार के निधन से बारामती, जो अजित पवार की कर्मभूमि रही, आज गहरे शोक में डूबी है। बाजार बंद हैं, समर्थकों की आँखों में आँसू हैं और हर गली में शोक की चर्चा है। हजारों लोग अंतिम दर्शन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बारामती में विमान हादसे में अजित पवार का निधन, सभी यात्री मारे गए, देशभर में शोक, राजनीति में, बड़ा शून्य, सत्ता समीकरण प्रभावित, जनता में गहरा दुख व्याप्त है। इस दुर्घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार का असमय निधन महाराष्ट्र और देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके संघर्ष, नेतृत्व और जनसेवा की कहानी हमेशा याद रखी जाएगी। आज महाराष्ट्र ने अपना एक मजबूत स्तंभ खो दिया है। ओम शांति...

### हादसों ने देश की राजनीति की दिशा बदल दी

भारत की राजनीति के इतिहास में कई ऐसे क्षण आए हैं, जब सड़क और आसमान में हुए हादसों ने न सिर्फ जिंदगियाँ छीनीं, बल्कि पूरे राजनीतिक परिदृश्य को झकझोर कर रख दिया। विमान, हेलीकॉप्टर और सड़क दुर्घटनाओं में कई बड़े जननेता असमय काल के गाल में समा गए। ये हादसे आज भी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

### सड़क हादसों के कारण

तेज रफ्तार, खराब सड़कें, थकान, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की कमी, राजनीतिक दौरे अक्सर रात और खराब मौसम में होते हैं, जिससे खतरा बढ़ जाता है।

### राजनीति और सुरक्षा की कड़वी सच्चाई

विमान और हेलीकॉप्टर हादसे दुर्लभ होते हैं, लेकिन उनका असर राष्ट्रीय स्तर पर गहरा होता है। सड़क दुर्घटनाएँ आम हैं, लेकिन हर बार राजनीति को झकझोर देती हैं। कई हादसों ने सरकारों की दिशा, नेतृत्व और चुनावी समीकरण बदल दिए।

आज भी श्कद्ध यात्राओं की सुरक्षा पर सवाल कायम हैं। इन हादसों ने बार-बार साबित किया है कि सत्ता, पद और सुरक्षा घेरे के बावजूद नेता भी असुरक्षित हैं। जब तक यात्रा सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी, तब तक राजनीति ऐसे ही अपने कद्दावर चेहरे खोती रहेगी। अजित पवार से लेकर बिपिन रावत तक, ये नाम केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि राजनीतिक युग के प्रतीक थे - जिनका जाना देश के लिए स्थायी क्षति बन गया।

### देशभर के शीर्ष नेताओं ने जताया गहरा शोक, हर दल से उठी संवेदनाओं की आवाज

- बारामती विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के असामयिक निधन पर देशभर के राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक नेतृत्व ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सत्ता पक्ष, विपक्ष और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से लेकर राष्ट्रीय नेताओं तक, सभी ने इसे देश की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे ढऊअ परिवार और अपने लिए व्यक्तिगत क्षति बताया। उन्होंने कहा कि अजित पवार ने साढ़े तीन दशकों तक महाराष्ट्र के हर वर्ग के कल्याण के लिए स्वयं को समर्पित किया।
- पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि अजित पवार का निधन भारतीय राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है।
- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उन्हें जमीन से जुड़ा जननेता बताया।
- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे हृदयविदारक घटना बताया।
- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हादसे पर स्तब्धता जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।
- पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें आत्मीय मित्र बताया।
- कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पवार परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।
- पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने इसे समाज के लिए बड़ा आघात बताया।
- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे अपूरणीय क्षति करार दिया।
- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें दूरदर्शी नेता बताया।
- कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि वे इस दुख की घड़ी में महाराष्ट्र की जनता और परिवार के साथ खड़े हैं।

### तकनीकी विफलता और हवाई यात्रा हादसे के प्रमुख कारण

| | |
|---|---|
| तकनीकी खराबी | VIP मूवमेंट का दबाव |
| मौसम की अनदेखी | नेता अक्सर समय की कमी में जोखिमपूर्ण यात्राएँ करते हैं, जो हादसों को न्योता देती हैं। |
| मानव त्रुटि | |
| जल्दबाजी में उड़ान | |

### एविएशन/हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं में शहीद हुए राजनीति के प्रमुख

- 1965 — बलवंत राय मेहता
  पद : गुजरात मुख्यमंत्री
  कारण : युद्ध के दौरान विमान पर हमला
  विश्लेषण : भारत-पाक युद्ध में नागरिक विमान को निशाना बनाया गया, जो राजनीति में दुर्लभ घटना थी।
- 1973 — देवकी गोपीदास
  पद : राज्यसभा सांसद
  कारण : इंडियन एयरलाइंस फ्लाइट क्रैश
  विश्लेषण : उस दौर की कमजोर विमान सुरक्षा प्रणाली उजागर हुई।
- 1973 — गुरनाम सिंह
  पद : पूर्व मुख्यमंत्री, पंजाब
  कारण : विमान दुर्घटना
  विश्लेषण : तकनीकी सीमाओं के कारण विस्तृत जांच संभव नहीं हो सकी।
- 1980 — संजय गांधी
  पद : कांग्रेस नेता
  कारण : निजी विमान क्रैश
  विश्लेषण : जोखिमभरी टेस्ट फ्लाइट राजनीति के एक उभरते चेहरे की मौत का कारण बनी।
- 2001 — माधवराव सिंधिया
  पद : वरिष्ठ कांग्रेस नेता
  कारण : चार्टर्ड विमान दुर्घटना
  विश्लेषण : खराब मौसम और तकनीकी चूक ने राष्ट्रीय राजनीति को गहरा झटका दिया।
- 2002 — जी.एम.सी. बालयोगी
  पद : लोकसभा स्पीकर
  कारण : हेलीकॉप्टर क्रैश
  विश्लेषण : दृश्यता की कमी ने हादसे को जन्म दिया।
- 2009 — वाई.एस. राजशेखर रेड्डी
  पद : मुख्यमंत्री, आंध्र प्रदेश
  कारण : हेलीकॉप्टर दुर्घटना
  विश्लेषण : मौसम की अनदेखी घातक साबित हुई।
- 2021 — जनरल बिपिन रावत
  पद : पहले उऊर
  कारण : सैन्य हेलीकॉप्टर क्रैश
  विश्लेषण : मौसम और तकनीकी सीमाओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा नेतृत्व को खो दिया।
- 2025 — विजय रूपाणी
  पद : पूर्व मुख्यमंत्री, गुजरात
  कारण : वाणिज्यिक विमान दुर्घटना
  विश्लेषण : बड़े विमान हादसों में नेताओं की असुरक्षा उजागर हुई।
- 2026 — अजित पवार
  पद : महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री
  कारण : लैंडिंग के दौरान विमान क्रैश

### सड़क दुर्घटनाओं में राजनीति के बड़े चेहरे

- 2000 — राजेश पायलट
  पदः केंद्रीय मंत्री
  कारणः कार दुर्घटना
  विश्लेषणः राष्ट्रीय राजनीति को अपूरणीय क्षति।
- 2000 — भाजपा नेता साहिब सिंह वर्मा
  पदः पूर्व मुख्यमंत्री दिल्ली
  कारणः सड़क दुर्घटना
- 2015 — ए. वेंकटेश नायक
  पदः कांग्रेस नेता
  कारणः ट्रक-रेल दुर्घटना
  विश्लेषणः ट्रांसपोर्ट सिस्टम की लापरवाही उजागर।
- 2019 — एस. राजेंद्रन
  पदः सांसद
  कारणः कार अनियंत्रित
  विश्लेषणः हाईवे सुरक्षा पर सवाल।

## *समर्थन मूल्य में धान खरीदी की तारीख बढ़ाने जा रही सरकार*

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य में धान खरीदी खत्म होने की कगार पर है। सरकार की तय डेडलाइन के अनुसार 31 जनवरी 2026 तक किसानों से धान खरीदी की जाएगी। लेकिन दूसरी ओर अभी तक कई किसानों ने अपना धान नहीं बेचा है और डेट आगे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि कांग्रेस भी किसानों के धान को लेकर सियासत कर रही है और सरकार को घेरने की कवायद में लगी हुई है। लेकिन इस बीच खबर आ रही है कि कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि किसानों के हित में फैसला लिया जाएगा।

दरअसल कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि धान खरीदी की तारीख बढ़ाने की मांग हो रही है, कुछ जगहों पर टोकन नहीं कटा या खरीदी नहीं हुई है।

उन्होंने आगे बताया कि कृषि विभाग के ढर द्वारा पत्र भेजा गया है और मैं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात करूंगा। किसानों के हित में निर्णय लिया जाएगा। कृषि मंत्री नेताम के बयानों से ये तो तय है कि सरकार किसानों के हित को देखते हुए धान खरीदी की तारीख बढ़ा सकती है।

## प्रेम संबंध का दुखद अंत, हरडुवा जलाशय बांध में मिली युवती की लाश, आरोपी गिरफ्तार

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*

ठेलकाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत हरडुवा जलाशय बांध में मिली एक युवती की अज्ञात लाश के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र छह घंटे के भीतर अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझा ली। प्रेम संबंध के बाद शादी से इनकार और लगातार दबाव बनाए जाने से नाराज आरोपी ने युवती की बेरहमी से हत्या कर शव को जलाशय में फेंक दिया था। पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।



प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे थाना ठेलकाडीह पुलिस को सूचना मिली कि हरडुवा जलाशय के निकासी गेट के पास पानी में एक अज्ञात महिला का शव तैर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। शव की स्थिति और घटनास्थल को देखते हुए मामले की गंभीरता को समझते हुए पुलिस महानिरीक्षक के मार्गदर्शन में विशेष जांच टीम का गठन किया गया।

पुलिस द्वारा जलाशय और उसके आसपास सघन तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान जलाशय में कुछ दूरी पर एक कैरी बैग बरामद हुआ, जिसमें एक आधार कार्ड, एक जोड़ी चप्पल और अस्पताल से संबंधित दस्तावेज मिले। दस्तावेजों के आधार पर मृतिका की पहचान भिलाई के सुपेला रामनगर निवासी 21 वर्षीय रूपा साहू के रूप में की गई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया। मृतिका की पहचान होते ही पुलिस ने उसके परिजनों और परिचितों से पूछताछ शुरू की। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर देहाती नालसी कायम कर हत्या का अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसके पश्चात शव का पंचनामा कर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुमका भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि मृतिका के सिर पर हार्ड एंड ब्लंट ऑब्जेक्ट से कई गंभीर चोटें पाई गई हैं।

अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मृत्यु होना बताया गया। रिपोर्ट से यह साफ हो गया कि युवती की मौत दुर्घटना नहीं बल्कि निर्मम हत्या का परिणाम है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतिका का आरोपी के साथ प्रेम संबंध था। आरोपी युवती पर शादी के लिए लगातार दबाव बना रहा था, जबकि मृतिका द्वारा इससे इनकार किया जा रहा था। इसी बात को लेकर आरोपी नाराज चल रहा था। घटना वाले दिन दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी ने युवती पर किसी कठोर वस्तु से सिर पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी और पहचान छुपाने के उद्देश्य से शव को हरडुवा जलाशय में फेंक दिया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल कॉल डिटेल, घटनाक्रम के समय आरोपी की गतिविधियों और पूछताछ के आधार पर आरोपी को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि त्वरित कार्रवाई, टीमवर्क और सटीक जांच के चलते महज छह घंटे में अंधे कत्ल का खुलासा संभव हो सका।

# डिजिटल तकनीक से धान विक्रय हुआ आसान किसान ज्योति प्रकाश ने घर बैठे काटा टोकन

## उपार्जन केंद्रों में पारदर्शी व्यवस्था और बेहतर सुविधाओं की ज्योति प्रकाश ने की सराहना

*नई दृष्टिबिंदु / सरगुजा*

सरगुजा जिले में धान उपार्जन की व्यवस्थित प्रणाली से किसान न केवल सशक्त हो रहे हैं, बल्कि खेती-किसानी के प्रति उनका उत्साह भी बढ़ा है। धान उपार्जन केंद्रों पर की गई पारदर्शी व्यवस्था ने धान विक्रय की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बना दिया है। इसी कड़ी में ग्राम केराकछार के किसान ज्योति प्रकाश ने शासन की व्यवस्थाओं की सराहना की।

### उपार्जन केंद्र में मिलीं बेहतर सुविधाएं

धान विक्रय के लिए मेंड्रा कला उपार्जन केंद्र पहुंचे ज्योति प्रकाश ने बताया कि केंद्र में प्रवेश करते ही गेट पास, नमी परीक्षण और बारदाना उपलब्ध कराने की प्रक्रिया त्वरित रूप से पूरी की गई। उन्होंने समिति के कमचारियों के सहयोग और उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिए उपलब्ध पेयजल व अन्य सुविधाओं की भी प्रशंसा की।

### डिजिटल तकनीक से मिली राहतः घर बैठे काटा टोकन

किसान ज्योति प्रकाश ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके पिता गोसई के नाम पर 32 क्विंटल धान का रकबा दर्ज है। उन्होंने बताया कि पहले समिति जाकर टोकन कटाने में काफी लंबा इंतजार करना पड़ता था, लेकिन शासन के 'किसान तुहंर टोकन' मोबाइल ऐप ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। ज्योति प्रकाश ने बताया कि उन्होंने घर बैठे ही मोबाइल के जरिए 32 क्विंटल धान विक्रय के लिए ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर लिया, जिसमें उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई।

### सर्वाधिक दाम से किसानों का बढ़ा मुनाफा

किसान बिहारी लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार में 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी और प्रति एकड़ 21 क्विंटल की सीमा निर्धारित किए जाने से किसान उत्साहित हैं। ज्योति प्रकाश ने बताया कि धान का सर्वाधिक दाम मिलने से किसानों को आर्थिक लाभ हो रहा है। उन्होंने बताया कि धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे गेहूं, तिलहन और सब्जी की खेती के विस्तार में कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है और आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं।

### छत्तीसगढ़ शासन का जताया आभार

प्रदेश के किसानों को सशक्त बनाने वाली शासन की नीतियों के लिए ज्योति प्रकाश ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज किसान खुशहाल हैं और अपनी उपज का सही मूल्य पाकर आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहे हैं।

## खेत से केंद्र तक भरोसा : महिला किसान चैती बाई बनीं धान खरीदी व्यवस्था की पहचान

*नई दृष्टिबिंदु / धमतरी*

प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की धान खरीदी शुरू होते ही छत्तीसगढ़ के खेत-खलिहानों से सिर्फ धान ही नहीं, बल्कि भरोसे और संतोष की खुशबू भी उठने लगी है। किसानों के चेहरों पर लौटी यही मुस्कान शासन की नीतियों की असली पहचान है। इस भरोसे की जीवंत तस्वीर हैं धमतरी जिले के ग्राम संबलपुर की महिला किसान श्रीमती चैती बाई साहू, जिनकी कहानी संवेदनशील शासन और सुशासन का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई है।

चैती बाई के परिवार में वर्षों से धान विक्रय की जिम्मेदारी उनके पति निभाते रहे हैं, किंतु इस वर्ष स्वास्थ्य खराब होने के कारण यह दायित्व उन्होंने स्वयं संभाला। यह उनके लिए सिर्फ धान बेचने की प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की परीक्षा भी थी। पूर्व निर्धारित तिथि पर कटे हुए टोकन के अनुसार वे 57 क्विंटल धान लेकर खरीदी केंद्र पहुँचीं।

पहली बार इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाने के बावजूद चैती बाई के चेहरे पर कोई घबराहट नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और संतोष झलक रहा था। उन्होंने बताया कि धान खरीदी केंद्र की सुव्यवस्थित और पारदर्शी

व्यवस्था ने पूरे कार्य को सहज और सम्मानजनक बना दिया। केंद्र में बारदाना, हमाल, डिजिटल तौल मशीन, प्रशिक्षित ऑपरेटर, पेयजल, शौचालय, बिजली जैसी सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध थीं, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

धान विक्रय के पश्चात मिलने वाली राशि से चैती बाई अपने पति का बेहतर इलाज कराना चाहती हैं। उनकी आवाज में सरकार के प्रति कृतज्ञता साफ झलकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का निर्णय किसानों के लिए संबल जैसा है। इस निर्णय ने खेती को न केवल लाभकारी बनाया है, बल्कि ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान की है।

चैती बाई मानती हैं कि बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य उनके परिवार के जीवन में नई स्थिरता लेकर आया है। घर के खर्च, इलाज और भविष्य की जरूरतों को लेकर अब चिंता कम हुई है। उन्होंने धान खरीदी केंद्र के कमर्चारियों, हमालों और प्रशासनिक अमले की खुले दिल से सराहना करते हुए कहा कि सभी ने सहयोग, संवेदनशीलता और सम्मान के साथ कार्य किया।

चैती बाई की यह कहानी सिर्फ एक महिला किसान की व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि यह प्रमाण है कि जब शासन की नीतियाँ ईमानदारी, संवेदनशीलता और सशक्त क्रियान्वयन के साथ जमीन पर उतरती हैं, तो उनका लाभ सीधे अंतिम पंक्ति में खड़े किसान तक पहुँचता है। उनकी मुस्कान में सरकार की नीतियों की सफलता, व्यवस्था पर भरोसा और किसान वर्ग का बढ़ता आत्मविश्वास साफ झलकता है। संबलपुर की चैती बाई आज सिर्फ धान बेचने वाली किसान नहीं, बल्कि प्रदेश की किसान-केंद्रित नीतियों की सशक्त आवाज बन चुकी हैं। उनकी यह प्रेरक कहानी छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था की सफलता और सरकार की किसान-हितैषी प्रतिबद्धता का जीवंत दस्तावेज है।

## मनरेगा की 'आजीविका डबरी' से संवर रही छोटे किसानों की तकदीर

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्मित की जा रही 'आजीविका डबरी' प्रदेश के छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए आय संवर्धन का प्रभावी साधन बनकर उभर रही है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ यह पहल ग्रामीण अंचलों में स्थायी आजीविका के नए अवसर सृजित कर रही है।

**प्रोत्साहन**

**जल संरक्षण के साथ सब्जी उत्पादन एवं मत्स्य पालन से बढ़ेगी ग्रामीण आय**

सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत मेंड्राखुर्द निवासी छोटे किसान बिहारी लाल के खेत में मनरेगा अंतर्गत आजीविका डबरी का निर्माण कार्य प्रगति पर है। लगभग 1 लाख 99 हजार रुपये की लागत से निर्मित की जा रही इस डबरी का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। डबरी में वर्षा जल संग्रहित होने से फसलों की सिंचाई के लिए निर्भरता बढ़ेगी और कृषि कार्य अधिक सुचारू हो सकेगा।

बिहारी लाल ने बताया कि डबरी के माध्यम से वे सब्जियों की उन्नत खेती के साथ-साथ मत्स्य पालन भी प्रारंभ करेंगे, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जैसे छोटे किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है।

जिले में जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगभग 403 आजीविका डबरियों का निर्माण कराया जा रहा है। इन डबरियों के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण को प्रोत्साहन मिलेगा, भू-जल स्तर के संरक्षण में सहायता होगी तथा सिंचाई, मत्स्य पालन और अन्य बहुउपयोगी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन कर ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की प्राथमिकता है कि विकास की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। 'आजीविका डबरी' जैसी योजनाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ किसानों को स्थायी आय का स्रोत उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने कहा कि मेंड्राखुर्द के बिहारी लाल जैसे सैकड़ों किसान इन प्रयासों के माध्यम से विकास की मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल स्थापित कर रहे हैं।

## नियद नेल्लानार गांवों के 14 ग्रामीणों के जीवन में आई रोशनी

**सुविधा**

**नक्सल प्रभावित किस्टाराम और मुर्कर्म जैसे अंदरूनी क्षेत्रों के मरीजों को मिली नई दृष्टि**

*नई दृष्टिबिंदु / सुकमा*

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के 'सुशासन' और 'अंत्योदय' के संकल्प को साकार करते हुए सुकमा जिले के दूरस्थ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार निरंतर जारी है। इसी कड़ी में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में जिले के 14 मोतियाबिंद मरीजों का सफल उपचार कराकर उनके जीवन में नई रोशनी लाई गई है।

**अंदरूनी गांवों से मेडिकल कॉलेज तक का सफर**

शासन की महत्वाकांक्षी 'नियद

नेल्लानार' (आपका अच्छा गांव) योजना के तहत विशेष स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से कोंटा विकासखंड में स्थित दूरस्थ गांव मुकर्रम, पटेलपारा, सरपंचपारा और किस्टाराम जैसे पहुंचविहीन क्षेत्रों के मरीजों की पहचान की गई थी। इन चिन्हित 14 मरीजों को जिला प्रशासन द्वारा विशेष वाहन की व्यवस्था कर बेहतर उपचार हेतु जगदलपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहाँ उनका सफल ऑपरेशन संपन्न हुआ।

ऑपरेशन के पश्चात सभी मरीजों को आई असिस्टेंट की देखरेख में जगरगुंडा और किस्टाराम से सुरक्षित जिला अस्पताल सुकमा लाया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, मरीजों की रिकवरी और बेहतर फॉलो-अप के लिए उन्हें अगले 4 दिनों तक जिला अस्पताल में विशेषज्ञों की निगरानी में रखा जाएगा। इस दौरान मरीजों के ठहरने और भोजन की निरूशुल्क व्यवस्था जिला प्रशासन के द्वारा की गई है।

स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन का यह प्रयास दर्शाता है कि नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से अब शासन की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सुदूर वनांचलों के अंतिम व्यक्ति तक सीधे पहुँच रही हैं। स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने वाले मरीजों ने इस संवेदनशील पहल के लिए मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

## महासमुंद जिले में अवैध धान पर सख्त कार्रवाई, 2250 कट्टा धान और धान से भरा एक ट्रक जब्त

*नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद*

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सघन कारवाई की जा रही है। इसी क्रम में गत दिवस बागबाहरा एवं सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर की गई कारवाई में 2250 कट्टा अवैध धान एवं धान से भरा एक ट्रक जप्त किया गया तथा समिति सत्यापन के दौरान राजडेरा समिति में 2088 कट्टा धान अधिक एवं तेंदूकोना समिति में 17069 कट्टा धान कम पाया गया।

बागबाहरा विकासखंड अंतर्गत धान उपार्जन कार्य में अनियमितताओं की जांच के तहत संयुक्त टीम द्वारा समितियों में भौतिक सत्यापन की कारवाई की गई। इस दौरान राजडेरा समिति में 2088 कट्टा धान अधिक पाया गया, वहीं तेंदूकोना समिति में 17069 कट्टा धान कम पाया जाना सामने आया है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कड़ी कारवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार तेंदुकोना से भुरकोनी मार्ग पर लगभग 200 कट्टा धान का अवैध परिवहन करते हुए एक मिनी ट्रक पकड़ा गया।

वाहन को नजदीकी बुंदेली चौकी के सुपुर्द किया गया। एक अन्य कारवाई में उड़ीसा से लाकर खेतों में छुपाकर रखे गए तथा समीप की बाड़ी में डंप किए गए लगभग 1000 कट्टा धान को मंडी अधिनियम के तहत जब्त कर थाना कोमाखान के सुपुर्द किया गया। इसके अलावा टूहलू चेकपोस्ट के पास धान से भरा एक ट्रक पकड़ा गया, जिसे आगे की कार्यवाही हेतु टूहलू थाना को सुपुर्द किया गया। सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम गिधामुंडा में बरतराम के गोदाम में निरीक्षण के दौरान 1400 कट्टा धान मौके पर पाया गया। जांच में 600 कट्टा धान का वारिसान पंजीयन प्रक्रियाधीन पाया गया, जबकि शेष 800 कट्टा धान अधिया का बताया गया, परंतु अधिया-रेघा से संबंधित कोई वैध दस्तावेज अथवा पंजीयन प्रस्तुत नहीं किया गया।

800 कट्टा धान को राजस्व एवं मंडी टीम द्वारा मौके पर ही जब्त किया गया। साथ ही सारंगढ़ घटौरा से नवागढ़ महासमुंद समिति की ओर अवैध रूप से धान परिवहन करते पाए जाने पर तीन ट्रैक्टरों में लदे 250 कट्टा धान जप्त किया गया। जिला प्रशासन ने निर्देशित किया है कि अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के मामलों में कड़ी कारवाई निरंतर जारी रहेगी।

## लखपति दीदी बनने मजबूत कदम : आजीविका सेवा केंद्रों से महिलाओं को मिलेगी आत्मनिर्भरता की एक नई राह

*नई दृष्टिबिंदु / दंतेवाड़ा*

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत एकीकृत फार्मिंग क्लस्टर परियोजना के माध्यम से जिले में महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिला पंचायत सीईओ जयंत नहाटा के विशेष मार्गदर्शन तथा बीपीएम श्री नितेश देवांगन एवं श्री धर्मेंद्र ठाकुर के सहयोग से चार आजीविका सेवा केंद्रोंकुपोन्दुम, मेटापाल, भोगाम और मंगनारकृकी स्थापना की गई है। इन केंद्रों के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिला किसान ह्यलखपति दीदीह्न बनने की ओर अग्रसर होंगी।

इन आजीविका सेवा केंद्रों का शुभारंभ ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। केंद्रों के माध्यम से कुल 11 ग्रामों की लगभग 1000 महिला किसानों की पहचान कर उन्हें कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। महिलाओं को सब्जी बाड़ी, मुर्गी पालन, बकरी पालन तथा वनोपज संग्रहण जैसी गतिविधियों में प्रशिक्षण एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिससे उनकी आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित हो सके।

पोन्दुम आजीविका सेवा केंद्र के अंतर्गत ग्राम पोन्दुम, बड़े गोडरे एवं तोयलंका को शामिल किया गया है। मेटापाल केंद्र के अंतर्गत मेटापाल, मेन्डोली और कांवडगांव, भोगाम केंद्र के अंतर्गत भोगाम एवं कवलनार तथा मंगनार केंद्र के अंतर्गत मंगनार, कुपेर और पंडेवार ग्रामों को कवर किया गया है। इस परियोजना के सफल संचालन हेतु मा दंतेश्वरी महिला संकुल संगठन, बालूद को नोडल संस्था के रूप में चयनित किया गया है।

## राज्यपाल डेका ने ब्रेल पुस्तक और ऑडियो बुक्स का किया विमोचन

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

राज्यपाल रमेन डेका ने आज यहां लोकभवन में छत्तीसगढ़ के वीर तथा दिव्यांग महिलाओं की सफलता की कहानियों पर आधारित दो ब्रेल पुस्तक और तीन हजार से अधिक कंटेंट को संकलित कर बनाए गए ऑडियो बुक्स का विमोचन किया। उन्होंने ऑडियो बुक्स निर्माण में योगदान देने वाले राज्य के विभिन्न जिलों के शिक्षकों को भी सम्मानित किया। इस अवसर डेका ने कहा कि इन पुस्तकों का ब्रेल वर्जन बनाने का कार्य सराहनीय है। इसके लिए उन्होंने

सभी को बधाई दी।

श्री डेका ने कहा कि हमारे समाज में ऐसे अनेक गुमनाम हस्तियां है जिन्होंने समाज के लिए अनुकरणीय काम किए है, उनको प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में सभी के लिए अलग-अलग चुनौतियां हैं। दिव्यांगजन समाज के एक भाग है और देश व समाज के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन के लिए सार्वजनिक स्थलों, अस्पतालों में सुविधा, रैम्प निर्माण होना चाहिए। डेका ने ऑडियो बुक्स की सराहना करते हुए इसका व्यापक प्रचार प्रसार करने कहा ताकि प्रदेश के बाहर के दिव्यांगजन भी इसका लाभ ले सकें। इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कृत सुश्री के. शारदा, श्रीमती प्रीति शांडिल्य और अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

**निरीक्षण** संयुक्त संचालक कृषि ने लिया ग्रीष्म फसल के रकबे का जायजा

## राष्ट्रीय विकास योजनांतर्गत ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर मक्का की खेती में बढ़ा किसानों का रुझान

*नई दृष्टिबिंदु / कांकेर*

जिले के विकासखंड भानुप्रतापपुर के अंतर्गत ग्राम नरसिंगपुर कनेचुर भैंसाकान्हार-ड्ड में राष्ट्रीय विकास योजनांतर्गत 50 हेक्टेयर क्षेत्र में लगी मक्का फसल का कृषि बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक महादेव ध्रुव द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने उपस्थित कृषकों से संवाद कर पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजनांतर्गत ग्रीष्मकालीन धान के बदले मक्का फसल लगाने एवं अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाने हेतु प्रेरित किया। साथ ही इस योजना से मिल रही लाभों के बारे में कृषकों से जानकारी ली। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य ग्रामों के कृषकों को भी ग्रीष्मकालीन धान के

स्थान पर मक्का फसल लगाने के प्रोत्साहित करने कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया।

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी ने बताया कि उपसंचालक कृषि के मार्गदर्शन में ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर मक्का एवं अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाने विभाग द्वारा लगातार प्रयास जारी है। क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर मक्का की खेती में किसानों का रूझान बढ़ा है। इस वर्ष नरसिंगपुर के सिंचाई साधन वाले 75 प्रतिशत किसानों द्वारा पहली बार ग्रीष्म धान के स्थान पर मक्के की फसल अपने खेतों मे लगाई गई है।

निरीक्षण के दौरान ग्राम नरसिंगपुर के किसान कृपाराम कमरो ने बताया पिछले वर्ष 5 एकड़ में धान फसल लगाया था, जिसमें लागत अधिक और दाम कम मिला। एक एकड़ में धान फसल से आय 15 हजार हुआ, जबकि मक्का फसल का बाजार भाव अच्छा है। उन्नत तरीके से खेती करने पर मक्का फसल से प्रति एकड़ 40 से 45 क्विंटल तक उपज मिल जाता है। इस प्रकार प्रति एकड़ 30 से 40 हजार रूपए तक का शुद्ध आय मिलती है जो धान के तुलना में दोगुनी है। इसी तरह किसान मन्नूराम मरकाम ने बताया कि पिछले गर्मी में 4 एकड़ में धान फसल लिया था, बिजली की कटौती लो वोल्टेज के कारण फसल बर्बाद हो गई। इस वर्ष कृषि विभाग के सलाह से पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजनांतर्गत ग्रीष्म धान के बदले मक्का की फसल लगाई है। मक्का फसल में धान की तुलना में पानी बहुत ही कम लगता है और फसल आसानी से पककर तैयार हो जाती है। इसी तरह कनेचुर के किसान राजकुमार कुरेटी ने आधी जमीन में मक्का एवं आधे में दलहन-तिलहन की फसल लगाई है। इस अवसर पर कृषि सभापति, विभाग के अधिकारी-कमर्चारी एवं क्षेत्र के कृषक मौजूद थे।

## राष्ट्रपति के बस्तर प्रवास की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने ली बैठक

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के छत्तीसगढ़ के बस्तर (जगदलपुर) में बस्तर पंडुम के शुभारंभ के अवसर पर 7 फरवरी 2026 के प्रस्तावित प्रवास पर विविध तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक ली।

मुख्य सचिव विकासशील ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के प्रवास अवसर पर सुरक्षा, चिकित्सा, आवागमन सहित तमाम जरूरी व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए है। मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बस्तर कलेक्टर से की जा रही तमाम व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

इसी तरह से मुख्य सचिव ने रायपुर कलेक्टर से भी जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जनसम्पर्क एवं संस्कृति विभाग के सचिव रोहित यादव, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चंपावत, गृह विभाग की सचिव श्रीमती नेहा चंपावत, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

**खास खबर**

## इस्पात मजदूर संघ कार्यालय में मकर संक्रांति मिलन समारोह मनी

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भिलाई इस्पात मजदूर संघ यूनियन के द्वारा भिलाई इस्पात मजदूर संघ कार्यालय सेक्टर 6 में नववर्ष एवं मकर संक्रांति मिलन समारोह का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।संघ के महामंत्री चन्ना केशवलू ने भिलाई इस्पात मजदूर संघ के सभी पदाधिकारियों एवं कमर्चारियों को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की बधाई एवं शुभकामनाएँ दी ।

कार्यक्रम में संयंत्र के सभी विभागों के कमर्चारियों ने भाग लिया ।संघ के महामंत्री ने सभी कमर्चारियों को तिल का लड्डू खिलाकर मुँह मीठा करवाया ।सभी ने एक साथ संकल्प लिया कि आगे भी मिलजुलकर संयंत्र के विभिन्न मुद्दों पर संघर्ष करेंगे और कमर्चारियों के हितों की रक्षा कीं लड़ाई लड़ते रहेंगे ।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संघ के उपाध्यक्ष डिल्ली राव, सुधीर गडेवाल, जगजीत सिंह,मृगेंद्र कुमार, संयुक्त महामंत्री प्रदीप कुमार पाल, अनिल गजभिये, राजनारायन सिंह,जोगेंद्र कुमार ,भूपेन्द्र बंजारे सचिव अखिलेश उपाध्याय, संजय कुमार साकुरे,संतोष सिंह, नागराजू, राकेश उपाध्याय, कोषाध्यक्ष रवि चौधरी, सह सचिव घनश्याम साहू,संतोष जगन्नाथ नाले, अनिल शुक्ला, मुरारी कुमार,अनिल राय,विवेक सिंह,बिवास सिन्हा,जोगा राव,अभय प्रसाद, कृपानंदन राव , रमेश कुहिकर, वेंकट,कृष्णा राव,मनीष गुप्ता एवं अन्य सदस्य कमर्चारी मौजूद थे ।

# रेपिड में राजनांदगांव के श्रेयांश डाकलिया व ब्लिट्ज में दुर्ग के यशद बने राज्य चैंपियन

## दूरदशिर्ता, धैर्य व सही समय पर सही निर्णय लेने की कला सिखाता है शतरंज :राकेश पाण्डेय




*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

प्रदेश शतरंज संघ के तत्वाधान में अग्रसेन जन कल्याण समिति भिलाई के सहयोग से जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य रेपिड एवं ब्लिट्ज फीडे रेटेड चेस चैंपियनशिप भिलाई के अग्रसेन भवन में सम्पन्न हुई। जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि प्रदेश शतरंज संघ के महासचिव विनोद राठी के मार्गदर्शन में इस सफल आयोजन के पुरस्कार वितरण एवं समापन के मुख्य अतिथि राकेश पाण्डेय (अध्यक्ष छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड छ. ग.कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) थे। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल एवं छत्तीसगढ़ शासन के भूतपूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पांडे भी राज्य भर से आए शतरंज खिलाड़ियों की हौसलाफजई करने पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बंशी अग्रवाल (अध्यक्ष अग्रसेन जन कल्याण समिति) ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा, मनोज मिश्रा, छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के राज्य सचिव हेमंत खुटे, अंतरास्ट्रीय खिलाड़ी सुश्री किरण अग्रवाल,रमेश अग्रवाल मंचासीन थे। मुख्य अतिथि राकेश पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा शतरंज और राजनीति– दोनों ही दूरदशिर्ता, धैर्य और सही समय पर सही निर्णय की कला सिखाते हैं।

राज्य शतरंज चयन प्रतियोगिता में सांसद विजय बघेल ने विशेष रूप से उपस्थित होकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। इस दरमियान उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि हमारा राज्य शतरंज में निरंतर आगे बढ़ रहा है। मैं आयोजक संस्था, प्रशिक्षकों और अभिभावकों को धन्यवाद देता हूँ तथा सभी विजेताओं को शुभकामनाएँ देता हूँ। आशा है कि चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे। खिलाड़ियों को बतौर विशिष्ट अतिथि पधारे छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व राजस्व आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने भी आयोजन की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अग्रसेन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष बंशी अग्रवाल ऐसे आयोजन के लिए सदैव सहयोग प्रदान करने की घोषणा की ।समाज सेवी कैलाश जैन बरमेचा ने चयनित खिलाडियों को बधाई देते हुए आयोजन की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन के माध्यम से छिपी हुई प्रतिभा सामने आती है ।सर्वप्रथम राज्य शतरंज संघ के सचिव हेमंत खूंटे ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमारा ध्येय छत्तीसगढ़ को शतरंज में नई ऊंचाईयों पर ले जाना है।

इस चयन स्पर्धा के दोनों केटेगरी से शीर्ष के दो - दो खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के सफल क्रियान्वयन हेतु आर्बिटर पैनल का गठन किया गया था जिसमें चीफ आर्बिटर के रूप में इंटरनेशन आर्बिटर अलंकार भिवगड़े व इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन व डिप्टी चीफ आर्बिटर में सुभाष बसोने, हर्ष शर्मा, मुदिता पाण्डेय,ममता साहू, को रखा गया था।

वहीं सेक्टर के दायित्व का निर्वहन अनिल शर्मा,दिव्यांशु उपाध्याय,प्रदीप मंडल, आशुतोष चावरे,विक्रम सिंह ,चंदन विश्वकर्मा,संदीप पटले ने किया। आवास व्यस्था में चित्रांश अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। जिला शतरंज संघ के उपाध्यक्ष ललित वर्मा,दिनेश जैन,इम्तियाज एवं अन्य सदस्य का भी योगदान रहा ।कार्यक्रम का संचालन जिला शतरंज संघ दुर्ग के सचिव तुलसी सोनी ने तथा आभार प्रदर्शन प्रदेश शतरंज संघ के संयुक्त सचिव व जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने किया।

### टॉप 10 विजेता खिलाड़ियों के नाम

रेपिड स्पर्धा में मुख्य पुरस्कार के तहत टॉप 10 विजेता खिलाड़ियों के नाम, पहला श्रेयांश डाकलिया (8अंक) 15000 व ट्रॉफी दूसरा यशद बंबेश्वर दुर्ग (8 अंक) 11000 व ट्रॉफी तीसरा निभिश प्रधान रायपुर (7 .5 अंक) ? 7000 व ट्रॉफी चौथा अभिनव पाण्डेय बिलासपुर (7 .5 अंक) 5000 व चेस लिटरेचर पांचवां विवान राय (7अंक) 3000 व चेस लिटरेचर छठवां हिमानी देवांगन दुर्ग (7 अंक) 2000 व चेस लिटरेचर सातवां पलाश शर्मा दुर्ग ( 7 अंक) 1500 व चेस लिटरेचर आठवां ईशान सैनी दुर्ग (7 अंक) 1500 व चेस लिटरेचर नौवां दिबस कुमार बिस्वास दुर्ग ( 7अंक) 1500 व चेस लिटरेचर दसवां प्रियांश साहू रायपुर ( 7 अंक ) 1500 व चेस लिटरेचर ब्लिट्ज स्पर्धा में मुख्य पुरस्कार के तहत टॉप 10 विजेता खिलाड़ियों पहला यशद बंबेश्वर दुर्ग (8 .5 अंक) 9000 व ट्रॉफी दूसरा शुभांकर बामलिया रायपुर (7 .5 अंक) 7000 व ट्रॉफी तीसरा विवान रायपुर (7 .5 अंक) 5000 व ट्रॉफी चौथा अभिनव पाण्डेय बिलासपुर (7 .5 अंक) 3000 व चेस लिटरेचर पांचवां अभिनव सिंह राजपूत दुर्ग (7अंक) 2000 व चेस लिटरेचर छठवां शिल्प कुमार घोड़ेश्वर दुर्ग (7 अंक) 1000 व चेस लिटरेचर सातवां पूजन बोतुकु दुर्ग ( 7 अंक) 1000 व चेस लिटरेचर आठवां श्रेयांश डाकलिया राजनांदगांव ( 7अंक) 1000 व चेस लिटरेचर नौवां प्रियांशु साहू रायपुर (7 अंक) 1000 व चेस लिटरेचर दसवां पलाश शर्मा ( 7 अंक ) 1000 व चेस लिटरेचर ।

# खेल जीवन में संघर्ष और अनुशासन सिखाते हैं : विधायक चंद्राकर

**आयोजन**

**ग्राम कोनारी में मड़ई, कबड्डी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम; विधायक ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह**



*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

ग्राम कोनारी में पारंपरिक मड़ई मेले के पावन अवसर पर भव्य कबड्डी प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने शिरकत की।

### खेल भावना से खेलने का आह्वान

विधायक ललित चंद्राकर ने मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका मनोबल बढ़ाया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि "ग्रामीण क्षेत्रों में कबड्डी जैसे खेलों के प्रति अपार उत्साह है। खेल न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि जीवन में अनुशासन और संघर्ष करने की शक्ति भी प्रदान करते हैं। हार-जीत एक सिक्के के दो पहलू हैं, महत्वपूर्ण यह है कि हम खेल भावना और आपसी भाईचारे के साथ खेलें।"

### सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

मड़ई के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने ग्रामीणों का मन मोह लिया। पारंपरिक लोक नृत्यों और गीतों के बीच ग्रामवासियों ने मेले का भरपूर आनंद उठाया।

कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने के लिए मंच पर कई विशिष्ट अतिथि और समाज के वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से श्रीमती गुंजेश्वरी पारख साहू (सरपंच, ग्राम कोनारी) टिकेश्वरी देशमुख (पूर्व जनपद सदस्य) कामेश साहू , तालम चन्द्राकर , पारख साहू , मनी लाल ठाकुर सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# दुर्ग पुलिस का 'ऑपरेशन सुरक्षा' : 14 स्थानों पर वाहन चेकिंग, 122 चालान

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी 2026 को दृष्टिगत रखते हुए सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आम नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस द्वारा ञ्ऑपरेशन सुरक्षाञ् के तहत दुर्ग-भिलाई शहर में व्यापक वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के अंतर्गत शहर के 14 प्रमुख स्थानों पर थाना एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा सघन वाहन जांच की गई। इस दौरान यातायात नियमों एवं मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन करने वाले कुल 122 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कारर्वाई की गई। चेकिंग के दौरान तेज व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने, सड़क पर लहराकर स्टंट करने तथा नंबर प्लेट को रूमाल एवं टाई से ढंककर वाहन की पहचान छुपाने वाले दुपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध पुलिस ने सख्त रुख अपनाया। ऐसे 13 दुपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर उनके वाहन जब्त किए गए।

पुलिस के अनुसार, इन 13 आरोपियों में थाना मोहन नगर से 06, भिलाई नगर से 05, सुपेला एवं नेवई से 01-01 चालक शामिल हैं। इन सभी के विरुद्ध धारा 281 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं धारा 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कारर्वाई की गई है। वहीं चालानी कारर्वाई में यातायात विभाग से 99, थाना भिलाई नगर से 10, चौकी नगपुरा (थाना पुलगांव) से 04, भिलाई भट्ठी से 03, अमलेश्वर एवं नंदिनी नगर से 02-02, नेवई एवं छावनी से 01-01 प्रकरण दर्ज किए गए। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें, स्टंट एवं लापरवाहीपूर्ण ड्राइविंग से बचें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि 'ऑपरेशन सुरक्षा' के तहत यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

## दुर्ग में HPL 2026 शुरू, वोरा की बल्लेबाजी ने बढ़ाया खिलाड़ियों का जोश

**दुर्ग।** शासकीय पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास के संयोजन में आयोजित HPL 2026 क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ 27 जनवरी को छात्रावास मैदान में किया गया। यह प्रतियोगिता 27 से 29 जनवरी तक आयोजित की जा रही है, जिसमें जिले भर की 92 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने किया। शुभारंभ अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और स्वयं मैदान में उतरकर क्रिकेट खेला। अरुण वोरा ने चौके-छक्के लगाकर खिलाड़ियों एवं दर्शकों का उत्साह बढ़ाया, जिससे मैदान में मौजूद सभी खिलाड़ियों में नया जोश देखने को मिला। इस अवसर पर अरुण वोरा ने सभी प्रतिभागी टीमों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास करता है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर आयोजकों ने बताया कि तीन दिवसीय इस टूर्नामेंट के माध्यम से युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। आयोजन स्थल पर खेल प्रेमियों की अच्छी-खासी उपस्थिति रही।

## होटल में पीट-पीटकर युवक की हत्या

**दुर्ग।** थाना पद्मनाभपुर क्षेत्र अंतर्गत ईडब्ल्यूएस के सामने कसारीडीह निवासी ऋषि निर्मलकर (19 वर्ष), पिता प्रहलाद निर्मलकर की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत को लेकर मामला संदिग्ध बताया जा रहा है, जिस पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ऋषि पर कुछ लोगों की उधारी थी। 20 जनवरी 2026 को वह अपने दोस्त विनय चौरे के साथ स्टेशन की ओर जा रहा था। इसी दौरान मालवीय नगर चौक के पास कार में सवार उसके 4-5 परिचित दोस्त मिले और साथ चलने की बात कहकर उसे कार में बैठा लिया। इसके बाद सभी लोग एक होटल पहुंचे, जहां किसी बात को लेकर विवाद हुआ और ऋषि के साथ हाथापाई व मारपीट की गई। बताया जा रहा है कि बाद में अन्य दोस्तों से फोन पर बातचीत के बाद ऋषि को होटल से बाहर अज्ञात व्यक्तियों के साथ देखा गया और उसे एक परिचित के पास छोड़ दिया गया। इसके बाद 24 जनवरी को ऋषि की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उसे उपचार के लिए भिलाई स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी प्रशांत राव पिता लक्ष्मण राव को गिरफ्तार कर लिया है।

**कार्यक्रम** देवांगन समाज की इष्ट देवी माता परमेश्वरी महोत्सव का हुआ आयोजन

# महापौर अलका बाघमार ने देवांगन समाज के विस्तारित भवन का किया लोकार्पण, समाज की एकता व संस्कृति की सराहना

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*



देवांगन समाज की इष्ट देवी माता परमेश्वरी जयंती के तहत नगर देवांगन समाज द्वारा गया नगर स्थित भवन में परमेश्वरी महोत्सव का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम की महापौर श्रीमती अलका बाघमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला देवांगन समाज के अध्यक्ष पुराणिक लाल देवांगन ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर निगम की जल विभाग प्रभारी एवं वार्ड पार्षद श्रीमती लीना दिनेश देवांगन, पार्षद गोविंद देवांगन, नगर अध्यक्ष राकेश देवांगन, पूर्व पार्षद श्रीमती दीपक देवांगन श्रीमती ममता देवांगन सहित पूर्व अध्यक्ष भूषण देवांगन सहित देवांगन समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने लगभग 15 लाख से अधिक की लागत से देवांगन सामाजिक भवन के विस्तारित भवन हाल का विधिवत लोकार्पण किया।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती अल्का बाघमार ने कहा कि देवांगन समाज सदैव सामाजिक समरसता, परंपरा और संस्कारों को सहेजते हुए विकास की दिशा में अग्रसर रहा है। सामाजिक भवन का विस्तार समाज की संगठनात्मक शक्ति और सामूहिक प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है।

महापौर श्रीमती बाघमार ने कहा कि देवांगन समाज का मूल उत्पत्ति माता परमेश्वरी की कृपा से हुआ है और सामाजिक संरचना में उन्हें सबसे उच्च कार्य मिला जिनमे उन्हे मनुष्य के तन ढकने वस्त्र निर्माण की जिम्मेदारी मिली यह समाज सौभाग्य शाली है जिनकी ईष्ट देवी स्वयं मां परमेश्वरी है उन्होंने आयोजन पर समाज के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह सामाजिक भवन भविष्य में समाज के सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सामाजिक कार्यक्रमों का सशक्त केंद्र बनेगा और नगर निगम द्वारा समाजहित में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी उन्होंने दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष पुराणिक लाल देवांगन ने माता परमेश्वरी के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। वहीं विशिष्ट अतिथि श्रीमती लीना दिनेश देवांगन ने समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए सामाजिक एकता पर बल दिया।

महोत्सव के दौरान माता परमेश्वरी की विशेष पूजन-अर्चन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के महिला-पुरुषों एवं युवाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही जिसमे अशोक देवांगन संरक्षक धनुष देवांगन सचिव दुष्यंत देवांगन दुर्ग जिला के अनिल देवांगन सचिव ग्रामीण ब्लॉक देवांगन समाज ,सखाराम देवांगन,प्रहलाद देवांगन, मांगतुराम देवांगन,भेदुराम देवांगन,भूषण देवांगन कोषाध्यक्ष शहर ब्लॉक,कीर्ति देवांगन,दीपक,देवांगन,रमन देवांगन,पवन देवांगन,परदेशी देवांगन,हेमंत देवांगन,परदेशी देवांगन,सुनिता देवांगन, खिलेश्वरी देवांगन,रिंकी देवांगन, हेमा देवांगन,अरुण देवांगन, अश्वनी देवांगन,संजय देवांगन, रामनारायण देवांगन,आशीष देवांगन सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

# जयसवाल समाज कल्याण समिति ने किया ध्वजारोहण

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जयसवाल समाज कल्याण समिति, भिलाई द्वारा समिति के कार्यालय बाबा दीप सिंह नगर में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ध्वजारोहण बैकुंठ जायसवाल एवं कुंदन जायसवाल द्वारा किया गया। इसके पश्चात समिति के अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल ने अपने उद्बोधन में गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज में एकता, अनुशासन एवं राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों को निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की समुचित तैयारी एवं आयोजन में समिति के युवा अध्यक्ष विकास जायसवाल के साथ रामलखन जायसवाल एवं राहुल जायसवाल की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनु जायसवाल, रंजीत जायसवाल, तीरथ जायसवाल, सौरभ जायसवाल, कृष्ण कुमार जायसवाल सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहादर्पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

# संपादकीय

## पद स्थान रहें तो सजग, कानून सबके लिए है...

कानून लोगों के भले के लिए बनाए जाते हैं, देश में, राज्य में एक व्यवस्था बनाए रखने के लिए होते हैं ताकि अव्यवस्था न हो और सभी लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। कानून सबसे लिए समान होते हैं, वह बड़े के लिए जैसा है,छोटे के लिए भी वैसा ही है। कानून का उल्लंघन कर पर बड़े और छोटे दोनों को समान सजा मिलेगी। सैध्दांतिक तौर पर ऐसा कहा जाता है लेकिन व्यवहारिक तौर पर कई बार ऐसा संभव नहीं होता है ।कानून का उल्लंघन करने पर आम आदमी का चालान तो तुरंत काट दिया जाता है लेकिन कोई अधिकारी या मंत्री हो तो चालान काटने वाले की हिम्मत नहीं होती है कि वह अधिकारी या मंत्री को बताए कि आपने कानून का उल्लंघन किया है।

कई बार ऐसा होता है कि किसी को कोई बड़ा पद मिल जाता है तो पद के साथ आदमी में इतना अहंकार आ जाता है कि वह खुद को कानून से ऊपर समझने लगता है। वह सोचता है कि कानून अब मेरे लिए नहीं हैं,कानून तो सामान्य लोगों के लिए हैं, मैं अब पद पर हूं इसलिए अब मैं सामान्य नहीं खास हो गया हूं। ऐसे लोगों को कोई भी कानून तोड़ने पर कुछ कहता है तो ऐसे ही लोग कहते हैं कि तू मेंरे को जानता नहीं है, मैं तेरी वर्दी उतरवा सकता हूं।ऐसे लोग ही तुरंत फोन किसी नेता,मंत्री की धौंस देने लगते हैं ।आम लोग यह सब देखते हैं तो उनको लगता हैं कि कानून खाली हमारे लिए हैं। कानून कमजोर लोगों के लिए हैं ।जो किसी बड़े पद पर हैं, कानून उनके लिए नहीं है।

ऐसे में यह अपेक्षा कैसे की जा सकती है कि कानून है तो सबके लिए है, कानून है तो सबको कानून का पालन करना पड़ेगा ।आम लोग तो रोज सड़क पर देखते हैं कि कानून का मजाक रोज बड़े लोग कैसे उड़ाते हैं,ऐसे में उनकी भी कानून का पालन करने की इच्छा खत्म हो जाती है। ऐसे में ही कोई कानून जो लोगों के भले के लिए है, उसका पालन भी आम लोग नहीं करते हैं और इसका खामियाजा भी उनको भुगतना पड़ता है। यातायात पुलिस साल में एक माह सड़क सुरक्षा माह मनाती है,लोगों को समझाती है कि दो पहिया वाहन चला रहे हैं तो हेलमेट पहने कर चलाए। यह नियम है तो सबके लिए हैं क्योंकि हादसा होने पर सिर पर हेलमेट न हो तो खास आदमी या बड़े आदमी की भी जान जा सकती है और आम आदमी की भी जान जा सकती है।

इसलिए बड़ी पोस्ट पर कोई है तो उसकी बड़ी जिम्मेदारी है कि वह सड़क सुरक्षा सप्ताह में घर दोपहिया पर निकले तो हेलमेट पहन कर निकले ताकि लोगों को संदेश जाए कि देखो यह बड़ा आदमी है, मंत्री है और हेलमेट पहन कर वाहन चला रहा है, इससे आम लोगों को प्रेरणा मिलती है कि बड़े लोग जब नियम का पालन कर रहे हैं तो हम लोगों को अपने भले के लिए नियम का पालन करना चाहिए। ऐसे में अखबार में सीएम की फोटो छपती है कि वह दोपहिया हेलमेट लगाकर चला रहे हैं तो लोगों के लिए मैसेज होता है कि राज्य में सबको दोपहिया वाहन हेलमेट पहन कर चलाना चाहिए ।कोई नियम हो कानून हो इसका पालन जब बड़े लोग करते हैं तो छोटे लोग उनसे सीखते हैं कि नियम का पालन करना जरूरी है। सबको नियम का पालन करना चाहिए।

ऐसे में अगर किसी मंत्री की फोटो छप जाती है कि वह बिना हेलमेट के वाहन चला रहे हैं तो इसका गलत मैसेज जाता है। मंत्री ने बिना हेलमेट वाहन चलाया है तो वह गलत उदाहरण पेश कर रहे हैं लोग यह देखते हैं कि सीएम हेलमेट लगाकर वाहन चला रहे हैं और उनका मंत्री बिना हेलमेट लगाए वाहन चला रहा है तो लोगों के मन मे यह सवाल आ सकता है कि यह कैसा मंत्री है, जब सीएम हेलमेट लगाकर वाहन चला कर लोगों को मैसेज दे रहे हैं कि सबको हेलमेट पहनकर वाहन चलाना चाहिए तो मंत्री की प्रकाशित फोटो से तो गलत मैसेज चला गया। लोगों को यह भी लग सकता है कि जब मंत्री ही हेलमेट लगाकर वाहन नहीं चला रहा है तो हम क्यों चलाए। बड़े लोगों को एक तो सार्वजनिक गलती नहीं करनी चाहिए,गलती हो जाए तो उसके लिए माफी मांगनी चाहिए कि गलती हो गई अब नहीं होगी।

# विशेष-लेख : सुशासन से समृद्धि की ओर, विष्णु के सुशासन से संवर रहा छत्तीसगढ़

*मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 2 वर्ष के मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ राज्य में विकास का एक नया आयाम गढ़कर राज्य के नागरिकों के दिलों में राज करने वाले मुख्यमंत्री के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। विष्णुदेव साय जनता के बीच के एक ऐसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं जिनकी सदाशयता और दूरगामी योजनाओं से प्रदेश में विकास और प्रगति का राह आसान हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आदिवासी पृष्ठभूमि से आते हैं। इस दृष्टि से आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाले वे प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री हैं। प्रदेश मे हाल ही में पुलिस महानिदेशकों एवं पुलिस महानिरीक्षको का सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल हुए।*

*छगन लोन्हारे उप संचालक (जनसंपर्क विभाग)*

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने एक साल के भीतर छत्तीसगढ़ के किसान भाइयों के खाते में 52 हजार करोड़ रुपए अंतरित कर उन्हें उत्साह से भर दिया है। धान खरीदी समाप्त होने के एक सप्ताह के भीतर किसानों को भुगतान कर दिया गया है।52 हजार करोड़ रुपए किसानों के खाते में आने से वे खेती किसानी में भरपूर निवेश कर रहे हैं और इससे बाजार भी गुलजार हुए हैं जिससे शहरी अर्थव्यवस्था पर सीधा असर दिख रहा है। ट्रैक्टर आदि की बिक्री ने रिकार्ड आंकड़ा छू लिया है। धान का उचित मूल्य मिलने से किसानों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई और गत वर्ष 25 लाख 72 हजार किसानों ने 149 लाख 25 हजार मीट्रिक टन रिकॉर्ड धान बेचा। सरकार बनने के दूसरे दिन ही केबिनेट की बैठक कर मोदी जी की गारंटी के अनुरूप 18 लाख 12 हजार 743 प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने की स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया।

विष्णु देव साय ने अपने दो साल के संक्षिप्त कायर्काल में छत्तीसगढ़ को सम्पूर्ण देश में एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। बहुत कम समय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की जनता के बीच जाकर पूरे प्रदेश की जनता का विश्वास जीता है और न केवल विश्वास जीता है बल्कि उनके हित को ध्यान में रखकर उन्होंने ऐसी योजनाओं का क्रियान्वयन किया है जिससे छत्तीसगढ़ का समग्र विकास सम्भव हो पाया है। यह केवल और केवल विष्णुदेव साय जैसे एक संवेदनशील, कर्मठ तथा ऊर्जावान मुख्यमंत्री ही सम्भव कर सकते हैं। नक्सल हिंसा प्रभावित गांवों में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी मूलभूत सुविधाएं दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंच रही है। प्रदेश में अब तक कुल 69 सुरक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री पद का शपथ लेते ही प्रदेश की समस्त महिलाओं को महतारी वंदन योजना जैसी एक लाभकारी योजना का सौगात दिया है। महतारी वंदन योजना से प्रदेश की महिलाओं को हर माह एक हजार रुपए की राशि दी जाती है जिससे वे स्वावलंबी बन सके एवं स्वयं का रोजगार भी प्रारंभ कर सके। साथ ही प्रदेश भर के किसानों को 2 साल का बकाया बोनस और 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी जैसे वादों को पूरा कर छत्तीसगढ़ के किसानों का मान बढ़ाया है। प्रदेश की नवीन औद्योगिक नीति से राज्य में अब तक 7.69 लाख रूपए के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं।

खरीफ सीजन में उपज का वाजिब कीमत 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान का उपार्जन किया गया। सरकार किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की है। मुख्यमंत्री श्री साय की नेतृत्व वाली सरकार के माध्यम से किसानों के खाते में 52 हजार करोड़ रूपए की राशि अंतरित (ट्रांसफर) हुई है। प्रदेश के नगर पालिका चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त हुआ। प्रदेश में अब ट्रिपल इंजन की सरकार से नगरों का सर्वांगीण विकास होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे जवानों के अदम्य साहस और सरकार के निरंतर प्रयासों से नक्सलवाद अब अंतिम सांस ले रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमितशाह का संकल्प है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त कर देंगे। वो संकल्प पूरा होते साफ दिख रहा है विशेषकर बस्तर क्षेत्र में, जो वर्षों से विकास की मुख्यधारा से अछूता रहा है। वहां अब विकास की गंगा बहेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में बीते 02 वर्षों में 529 नक्सली मारे जा चुके हैं, 1975 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 2628 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। प्रदेश के बस्तर अंचल में आतंक का पर्याय रहे हाडकोर नक्सली लीडर बसवराजू, लक्ष्मी नरसिम्हा चालम उर्फ सुधाकर, और माडवी हिड़मा को न्यूट्रलाइज किया गया इन पर करोड़ों का ईनाम घोषित था।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने प्रदेश के हर वर्ग की बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पीएम आवास योजना, कृषक उन्नति योजना, नियद नेल्ला नार, अखरा निर्माण योजना जैसी योजनाओं का शुभारम्भ किया है और जनता के बीच अपनी एक अलग छवि निर्मित की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जनता के बीच और हर समुदाय के बीच एक ऐसा पुल बनाना जानते हैं जिससे सभी एक दूसरे से जुड़ सके और सभी प्रदेश के हित में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह भी कर सके। उन्होंने अपने जीवन का बहुमूल्य समय पद्रेश की जनता को समर्पित कर यह सिद्ध कर दिया है कि उनका जीवन केवल उनका नहीं है अपितु प्रदेश की जनता की निस्वार्थ सेवा के लिए समर्पित है। वे सही मायने में एक ऐसे जननेता हैं जिनके लिए जनता ही सब कुछ हैं। ऐसे सेवाभावी और लोकप्रिय जनसेवक बहुत कम होते हैं जिनके लिए जनता का विकास और जनता का साथ ही सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरवान्वित होने का विषय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उनके अपने बीच के लोकप्रिय नेता हैं जिनके लिए प्रदेश की जनता की खुशहाली ही सर्वोपरि है।

# प्रजातंत्र को वास्तविक गणतंत्र में बदलने की जरूरत

*प्रो. संजय द्विवेदी*

*आजादी के लगभग 8 दशक पूरे करने के बाद भारतीय गणतंत्र एक ऐसे मुकाम पर है, जहाँ से उसे सिर्फ आगे ही जाना है। अपनी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों के साथ पूरी हुई इन 8 दशकों की यात्रा ने पूरी दुनिया के मन में भारत के लिए एक आदर पैदा किया है। यही कारण है कि हमारे भारतवंशी आज दुनिया के हर देश में एक नई निगाह से देखे जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा का आदर और मूल्य भी उन्हें मिल रहा है। हमें सोचना होगा कि आखिर हम उस सपने को कैसा पूरा कर सकते हैं जिसे पूरे करने के लिए सिर्फ कुछ साल बचे हैं। यानि 2047 में भारत को महाशक्ति और विश्वगुरु बनाने का सपना।*

आजादी के लड़ाई के मूल्य आज भले थोड़ा धुंधले दिखते हों या राष्ट्रीय पर्व औपचारिकताओं में लिपटे हुए, लेकिन यह सच है कि देश की युवाशक्ति आज भी अपने राष्ट्र को उसी जज्बे से प्यार करती है, जो सपना हमारे सेनानियों ने देखा था। आजादी की जंग में जिन नौजवानों ने अपना सर्वस्व निछावर किया, वही ललक और प्रेरणा आज भी भारत के उत्थान के लिए नई पीढ़ी में दिखती है। हमारे प्रशासनिक और राजनीतिक तंत्र में भले ही संवेदना घट चली हो, लेकिन आम आदमी आज भी बेहद ईमानदार और नैतिक है। वह सीधे रास्ते चलकर प्रगति की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहता है। यदि ऐसा न होता तो विदेशों में जाकर भारत के युवा सफलताओं के इतिहास न लिख रहे होते। जो विदेशों में गए हैं, उनके सामने यदि अपने देश में ही विकास के समान अवसर उपलब्ध होते तो वे शायद अपनी मातृभूमि को छोड़ने के लिए प्रेरित न होते। बावजूद इसके विदेशों में जाकर भी उन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और ईमानदारी से भारत के लिए एक ब्रांड एंबेसेडर का काम किया है। यही कारण है कि साँप, सपेरों और साधुओं के रूप में पहचाने जाने वाले भारत की छवि आज एक ऐसे तेजी से प्रगति करते राष्ट्र के रूप में बनी है, जो तेजी से अपने को एक महाशक्ति में बदल रहा है। आर्थिक सुधारों की तीव्र गति ने भारत को दुनिया के सामने एक ऐसे चमकीले क्षेत्र के रूप में स्थापित कर दिया है, जहाँ व्यवसायिक विकास की भारी संभावनाएं देखी जा रही हैं। यह अकारण नहीं है कि तेजी के साथ भारत की तरफ विदेशी राष्ट्र आकर्षित हुए हैं। बाजारवाद के हो-हल्ले के बावजूद आम भारतीय की शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थितियों में व्यापक परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ये परिवर्तन आज भले ही मध्यवर्ग तक सीमित दिखते हों, इनका लाभ आने वाले समय में नीचे तक पहुँचेगा।

## आकांक्षावान भारत का उदयः

भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और



प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्में, कृषि और अनुसंधान से जुड़े क्षेत्रों या विविध प्रदर्शन कलाएँ हर जगह भारतीय प्रतिभाएँ वैश्विक संदर्भ में अपनी जगह बना रही हैं। शायद यही कारण है कि भारत की तरफ देखने का दुनिया का नजरिया पिछले एक दशक में बहुत बदला है। ये चीजें अनायास और अचानक घट गईं हैं, ऐसा भी नहीं है। देश के नेतृत्व के साथ-साथ आम आदमी के अंदर पैदा हुए आत्मविश्वास ने विकास की गति बहुत बढ़ा दी है। भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता की तमाम कहानियों के बीच भी विश्वास के बीज धीरे-धीरे एक वृक्ष का रूप ले रहे हैं।

कई स्तरों पर बंटे समाज में भाषा, जाति, धर्म और प्रांतवाद की तमाम दीवारें हैं। कई दीवारें ऐसी भी कि जिन्हें हमने खुद खड़ा किया है और हमारा बुरा सोचने वाली ताकतें उन्हें संबल दे रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर भी जब देश बँटा हुआ नजर आता है, तो कई बार आम भारतीय का दुख बढ़ जाता है। घुसपैठ की समस्या भी एक ऐसी समस्या है जिससे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। किसी तरह भी वोट बैंक बनाने और सत्ता हासिल करने की होड ने तमाम मूल्यों को शीर्षासन करा दिया है। ऐसे में जनता के विश्वास की रक्षा कैसे की जा सकती है? आजादी के इतने साल के बाद लगभग वही सवाल आज भी खड़े हैं, जिनके चलते देश का बँटवारा हुआ और महात्मा गांधी जैसी विभूतियां भी इस बँटवारे को रोक नहीं पाईं। देश के अनेक हिस्सों में चल रहे अतिवादी आंदोलन, चाहे वे किसी नाम से भी चलाए जा रहे हों या किसी भी विचारधारा से प्रेरित हों। सबका उद्देश्य भारत की प्रगति के मार्ग में रोड़े अटकाना ही है। अनेक विकास परियोजनाओं के खिलाफ इनका हस्तक्षेप यह बताता है कि सारा कुछ बेहतर नहीं है। गणतंत्र को सार्थक करने के लिए हमें साधन संपन्नों और हाशिये पर खड़े लोगों को एक तल पर देखना होगा। क्योंकि आजादी तभी सार्थक है, जब वह हिंदुस्तान के हर आदमी को समान विकास के अवसर उपलब्ध कराए। कानून की नजर में हर आदमी समान है, यह बात नारे में नहीं, व्यवहार में भी दिखनी चाहिए।

## अंतिम आदमी का कीजिए विचार-

गणतंत्र के बारे में कहा जाता है कि वह सौ सालों में साकार होता है। भारत ने इस यात्रा की भी काफी यात्रा पूरी कर ली है। बावजूद इसके हमें डा. राममनोहर लोहिया की यह बात ध्यान रखनी होगी कि ह्यलोकराज लोकलाज से चलता है ह्व इसी के साथ याद आते हैं पं. दीनदयाल उपाध्याय जैसे लोग, जिन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन देकर भारतीय राजनीति को एक ऐसी दृष्टि दी है, जिसमें आम आदमी के लिए जगह है। यह दर्शन हमें दरिद्रनारायण की सेवा की मार्ग पर प्रशस्त करता है। महात्मा गांधी भी अंतिम व्यक्ति का विचार करते हुए उसके लिए इस तंत्र में जगह बनाने की बात करते हैं। हमें सोचना होगा कि गणतंत्र के इन वर्षों में उस आखिरी आदमी के लिए हम कितनी जगह और कितनी संवेदना बना पाए हैं। प्रगति और विकास के सूचकांक तभी सार्थक हैं, जब वे आम आदमी के चेहरे पर मुस्कान लाने में समर्थ हों। क्या ऐसा कुछ बताने और कहने के लिए हमारे पास है? यदि नहीं...तो अभी भी समय है भारत को महाशक्ति बनाना है, तो वह हर भारतीय की भागीदारी से ही सच होने वाला सपना है। देश के तमाम वंचित लोगों को छोड़कर हम अपने सपनों को सच नहीं कर सकते। क्या हम इस जिम्मेदारी को उठाने के लिए तैयार हैं।

## तलाशिए सवालों के जवाबः

गणतंत्र दिवस इन तमाम सवालों के जवाब खोजने की एक बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आया है। बीते समय में आतंकवाद, नक्सलवाद, क्षेत्रीयता की तमाम गंभीर चुनौतियों के सामने हमारा तंत्र बहुत बेबस दिखा। बावजूद इसके लोकतंत्र में जनता की आस्था बची और बनी हुयी है। हमारी एकता को तोड़ने और मन को तोड़ने के तमाम प्रयासों के बावजूद आम हिंदुस्तानी अपनी समूची निष्ठा से इस देश को एक देखना चाहता है। यह संकल्प लेना होगा कि हम लोकतंत्र में लोगों के भरोसे को जगा पाएं। उनकी उम्मीदों पर अवसाद की परतें न चढ़ने दें। सपनों में रंग भरने की हिम्मत, ताकत और जोश से भरा हो- आम हिंदुस्तानी तो इसी सपने को सच होते हुए देखना चाहता है। यह संयोग ही है कि नया साल और गणतंत्र दिवस हम एक ही महीने जनवरी में मनाते हैं। जाहिर तौर पर हर नए साल का मतलब कलैंडर का बदलना भर नहीं है वह उत्सव है संकल्प का, अपने गणतंत्र में तेज भरने का। आम आदमी में जो भरोसा टूटता दिखता है उसे जोड़ने का। गणतंत्र को तोड़ने या कमजोर करने में लगी ताकतों के मंसूबों पर पानी फेरने का। जनवरी का महीना इसीलिए बहुत खास है क्योंकि यह महीना देश की अस्मिता को पहली बार झकझोर कर जगाने वाले सन्यासी विवेकानंद की जन्मतिथि( 12 जनवरी) का महीना है। जिन्होंने पहली बार भारत के दर्शन को विश्वमंच पर मान्यता ही नहीं दिलायी हमारे दबे-कुचले आत्मविश्वास को जागृत किया। यह महीना है नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन ( 23 जनवरी) का जिन्होंने विदेशी सत्ता के दांत खट्टे कर दिए और विदेशी भूमि पर भारतीयों के सम्मान की रक्षा के लिए अपनी सेना खड़ी की। जाहिर तौर पर यह महीना सही संकल्पों और महानायकों की याद का महीना है। इससे हमें प्रेरणा लेने और आगे बढ़ने की जरूरत है। नए साल का सूरज हमें एक नयी रोशनी दे रहा है उसका उजास हमें नई दृष्टि दे रहा है। क्या हम इस रोशनी से सबक लेकर, अपने महानायकों की याद को बचाने और देश को महाशक्ति बनाने के सपने के साथ खड़ा होने का हौसला दिखाएंगें?

# आखिर पहले की सरकारों ने नेताजी के पराक्रम को क्यों छिपाया? क्यों मोदी सारा सच सामने लाये?

*नीरज कुमार दुबे*

*नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम भारतीय इतिहास में केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी के रूप में दर्ज नहीं है, बल्कि वह शौर्य, साहस और राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पण करने की जीवंत चेतना हैं। गुलामी के कालखंड में जब पूरा देश भय, समझौते और याचना की राजनीति में उलझा था, तब नेताजी ने पराधीनता की जंजीरों को तोड़ने के लिए सशस्त्र संघर्ष का मार्ग चुना था। उनका जीवन स्वयं में पराक्रम की परिभाषा था। इसी पराक्रम, इसी अदम्य साहस और इसी ज्वलंत राष्ट्रभक्ति को स्मरण करने के लिए उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है।*

पराक्रम दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारत की उस चेतना का उत्सव है जिसने गुलामी को स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। यह दिन उस विचार का प्रतीक है कि स्वतंत्रता भीख में नहीं मिलती, उसे संघर्ष से प्राप्त किया जाता है। नेताजी ने आजाद हिंद फौज का गठन कर यह सिद्ध कर दिया था कि भारतीय अपने बलबूते साम्राज्यवादी ताकतों को चुनौती दे सकते हैं। उनका उद्घोष तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा केवल शब्द नहीं थे, बल्कि वह संकल्प था जिसने हजारों युवाओं को बलिदान के लिए तैयार कर दिया था।

इतिहास का यह कटु सत्य है कि आजादी के बाद लंबे समय तक नेताजी के योगदान को वह स्थान नहीं दिया गया जिसके वे अधिकारी थे। उनकी वीरता, उनकी वैकल्पिक सरकार और उनके सैन्य संघर्ष को असुविधाजनक मानकर हाशिये पर डाल दिया गया। ऐसे में पराक्रम दिवस का औपचारिक और राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाना केवल सम्मान नहीं बल्कि ऐतिहासिक सुधार है। यह उस अन्याय के खिलाफ घोषणा है जो दशकों तक नेताजी के साथ किया गया।

आज पराक्रम दिवस भारत को यह याद दिलाता है कि उसकी आजादी की नींव केवल वार्ताओं और प्रस्तावों पर नहीं, बल्कि रणभूमि के संकल्प, सैनिक अनुशासन और सर्वोच्च बलिदान पर रखी गई थी। नेताजी का शौर्य आज भी भारत की नसों में दौड़ता है और पराक्रम दिवस उस चेतना को पुनः जागृत करने का राष्ट्रीय अवसर है।

सारा देश आज पराक्रम दिवस पर नेताजी को नमन कर रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि नेताजी का अदम्य साहस, अडिग संकल्प और राष्ट्र के लिए उनका अतुलनीय योगदान आज भी हर भारतीय को मजबूत भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेताजी निर्भीक नेतृत्व और प्रखर राष्ट्रभक्ति के ऐसे प्रतीक हैं जिनकी चमक समय के साथ और



तेज होती गई है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस उनके जीवन की प्रेरणा रहे हैं।

उन्होंने 23 जनवरी 2009 को गुजरात में ई ग्राम विश्वग्राम योजना के शुभारंभ को याद किया। यह योजना गुजरात के सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य को बदलने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल थी। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस योजना का शुभारंभ हरिपुरा से किया गया था, जिसका नेताजी के जीवन में विशेष स्थान रहा है। उन्होंने हरिपुरा की जनता द्वारा दिए गए स्नेहपूर्ण स्वागत और उसी मार्ग पर निकाले गए जुलूस को भी स्मरण किया जिस मार्ग से कभी नेताजी गुजरे थे।

प्रधानमंत्री ने 2012 में अहमदाबाद में आयोजित आजाद हिंद फौज दिवस के भव्य कार्यक्रम को भी याद किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में देश भर से वे लोग एकत्र हुए थे जो नेताजी से प्रेरणा लेते हैं। इस अवसर पर तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष पीए संगमा भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक देश पर शासन करने वालों के एजेंडे में नेताजी के गौरवशाली योगदान को स्मरण करना शामिल नहीं था। इसलिए योजनाबद्ध ढंग से उन्हें भुलाने के प्रयास किए गए। लेकिन वतर्मान सरकार का विश्वास इससे अलग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर संभव अवसर पर नेताजी के जीवन और उनके आदर्शों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में नेताजी से संबंधित फाइलों और दस्तावेजों को सार्वजनिक करना एक ऐतिहासिक कदम रहा।

प्रधानमंत्री ने 2018 को भी ऐतिहासिक वर्ष बताया। उन्होंने कहा कि लाल किले पर आजाद हिंद सरकार की स्थापना की पचहत्तरवीं वषर्गांठ मनाई गई और तिरंगा फहराने का उन्हें सौभाग्य मिला। उसी वर्ष अंडमान निकोबार में श्रीविजयपुरम में भी नेताजी द्वारा तिरंगा फहराने की पचहत्तरवीं वषर्गांठ मनाई गई और तीन द्वीपों के नाम बदले गए जिनमें रास द्वीप का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप रखा गया। प्रधानमंत्री ने लाल किले में स्थापित क्रांति मंदिर संग्रहालय का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां नेताजी और आजाद हिंद सेना से जुड़ी अमूल्य धरोहरें सुरक्षित रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस घोषित करना और इंडिया गेट के पास उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित करना राष्ट्र के लिए गर्व के क्षण हैं।

देखा जाये तो आजादी के बाद सत्ता की राजनीति ने चुन चुन कर नायकों को गढ़ा और कुछ नायकों को मिटाने की कोशिश की। नेताजी की विरासत को पाठ्यपुस्तकों में सीमित कर दिया गया था लेकिन मोदी सरकार ने इस चुप्पी को तोड़ा। नेताजी से जुड़ी फाइलों का सार्वजनिक होना केवल कागजों का खुलना नहीं था बल्कि इतिहास पर जमी धूल को हटाना था। साथ ही लाल किले पर आजाद हिंद सरकार की वषर्गांठ मना कर यह संदेश दिया गया था कि भारत की आजादी केवल एक रास्ते से नहीं आई बल्कि बलिदान, संघर्ष और सशस्त्र प्रतिरोध से भी आई है। इंडिया गेट के पास नेताजी की भव्य प्रतिमा स्थापित करना भी एक ऐतिहासिक निर्णय रहा। वर्षों तक वहां एक औपनिवेशिक प्रतीक खड़ा रहा। अब उसकी जगह वह सेनानी खड़ा है जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को सबसे बड़ी चुनौती दी। यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को बताएगी कि भारत का आत्मसम्मान किन कंधों पर टिका है।

मोदी सरकार के इन निणर्यों में एक स्पष्ट विचारधारा दिखाई देती है। यह विचारधारा है आत्मगौरव की, इतिहास से सच निकालने की और राष्ट्रनायकों को उनका हक दिलाने की। नेताजी का सम्मान केवल उनका सम्मान नहीं बल्कि उन लाखों गुमनाम सेनानियों का सम्मान है जिन्होंने आजाद हिंद फौज की वर्दी पहनकर जान की बाजी लगाई। आज जब पराक्रम दिवस मनाया जाता है तो यह केवल अतीत की पूजा नहीं बल्कि वतर्मान को झकझोरने का अवसर है। नेताजी हमें सिखाते हैं कि राष्ट्र के लिए साहसिक निर्णय कैसे लिए जाते हैं। मोदी सरकार ने उनके नाम पर लिए गए फैसलों से यह स्पष्ट कर दिया है कि अब भारत समझौतावादी स्मृतियों से बाहर निकल चुका है। नेताजी की वीरता, उनका त्याग और उनका स्वप्न अब केवल भाषणों में नहीं बल्कि राष्ट्रीय चेतना में जीवित है। यही सच्ची श्रद्धांजलि है और यही इतिहास का न्याय।

फोकस

## जगदलपुर में आज सजेगा आदिम संस्कृति का मंच

**जगदलपुर।** छत्तीसगढ़ के रजत महोत्सव के उल्लास के बीच बस्तर की ऐतिहासिक धरा एक बार फिर अपनी लोक संस्कृति के रंगों में रंगने को तैयार है। संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार 28 जनवरी को जगदलपुर के सिटी ग्राउंड में जिला स्तरीय बस्तर पण्डुम-बस्तर का उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। अद्वितीय बस्तर सहज, सरल, उम्मीदों से भरा की थीम पर आधारित यह आयोजन बस्तर की समृद्ध विरासत और परंपराओं का एक अनूठा संगम साबित होगा।

इस एक दिवसीय सांस्कृतिक महाकुंभ में बस्तर की माटी की महक और जनजातीय जीवन शैली जीवंत हो उठेगी। कार्यक्रम की रूपरेखा इस तरह तैयार की गई है कि इसमें कला, संस्कृति और परंपरा के सभी आयामों को शामिल किया गया है। उत्सव के दौरान जहाँ एक ओर जनजातीय नृत्य, गीत और नाटकों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक वाद्ययंत्रों, वेशभूषा और आभूषणों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेगी। इसके अतिरिक्त आगंतुकों को बस्तर के पारंपरिक जायके से रूबरू कराने के लिए जनजातीय व्यंजनों और पेय पदार्थों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही बस्तर की वन संपदा को दर्शाती वन औषधियाँ, जनजातीय शिल्प, चित्रकला और आंचलिक साहित्य भी इस मेले की शोभा बढ़ाएंगे।

समारोह का विधिवत शुभारंभ 28 जनवरी को प्रातः 11 बजे किया जाएगा। उद्घाटन समारोह वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद बस्तर महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण देव, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप और महापौर संजय पाण्डेय सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी मौजूदगी में होगी। दिन भर चलने वाले इस सांस्कृतिक उत्सव का समापन समारोह उसी शाम 5.30 बजे सिटी ग्राउंड में ही आयोजित किया जाएगा।

## रजत जयंती महोत्सव : कांकेर की दो सड़कों के कार्यों के लिए 34.87 करोड़ स्वीकृत

**कांकेर।** छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के रजत जयंती महोत्सव के विशेष अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलो में महत्वपूर्ण सड़क निर्माण के कार्यो को कराने के लिए स्वीकृति जारी की गई है। इसी कड़ी में रजत जयंती के विशेष मौके पर क्षेत्रीय लोगों का आवागमन सुगम कराने कांकेर जिले के दो सड़को के कार्य कराने के लिए 34 करोड़ 87 लाख 04 हजार रुपये की राशि स्वीकृत किये गये हैं।

स्वीकृत कार्यों में कांकेर के चारामा कोरर से गिधाली-रतेडीह-कुर्रूटोला पहुँच मार्ग पुल-पुलिया सहित लम्बाई 6 किलोमीटर निर्माण कार्य के लिए 10 करोड़ 17 लाख 92 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। इसी तरह से अंतागढ़-बेड़मा मार्ग के मजबूतीकरण कार्य के लिए 24 करोड़ 69 लाख 12 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। क्षेत्र में इन महत्वपूर्ण सड़कों के कार्यों की स्वीकृति मिलने से लोगो का आवागमन और सुविधा जनक हो जाएगा। इन मार्गो के कार्य क्षेत्रीय लोगों के आवागमन के लिए अति महत्वपूर्ण है। इन कार्यो की स्वीकृति मिलने से सड़क निर्माण कार्य शीघ्र होने से लोगो को सुविधा होगी।

## तीन सांस्कृतिक भवनों के लिए 75.45 लाख स्वीकृत

**रायपुर।** नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने गरियाबंद जिले के राजिम नगर पंचायत में तीन सांस्कृतिक भवनों के निर्माण के लिए 75 लाख 45 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संचालनालय से इनकी मंजूरी के आदेश जारी कर दिए हैं। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रावधानित अधोसंरचना मद से ये कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राजिम नगर पंचायत में मेला मैदान के पास कंडरा पारा में सांस्कृतिक भवन के निर्माण के लिए 25 लाख 15 हजार रुपए, वार्ड क्रमांक-15, साहू पारा में सांस्कृतिक भवन के निर्माण के लिए 25 लाख 15 हजार रुपए तथा स्टेडियम के पास, सेन समाज पारा, कंडरा पारा राजिम में सांस्कृतिक भवन के निर्माण के लिए 25 लाख 15 हजार रुपए मंजूर किए हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने तीनों सांस्कृतिक भवनों का निर्माण पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

# प्री-वेडिंग शूट पर रोक लगाने की मांग हुई और तेज हिन्दू समाज को एकजुट होकर करनी चाहिए पहल

## साहू समाज की पहल की हो रही सराहना, अप्रैल में हिन्दू सम्मेलन में संकल्प लाने की घोषणा

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

प्री-वेडिंग शूट को लेकर समाज में लगातार बढ़ती दिखावे और फिजूलखर्ची की प्रवृत्ति पर अब खुलकर विरोध शुरू हो गया है। सामाजिक मर्यादाओं और सांस्कृतिक मूल्यों के खिलाफ मानी जा रही इस परंपरा को प्रतिबंधित किए जाने की मांग तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में साहू समाज द्वारा प्री-वेडिंग शूट पर रोक लगाने की जो शुरुआत की गई है, उसकी चारों ओर सराहना की जा रही है।

अखिल भारतीय हिंदू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष आलोक पांडे ने साहू समाज को इस साहसिक और अनुकरणीय पहल के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्री-वेडिंग शूट भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों के विपरीत है। यह परंपरा समाज में अनावश्यक प्रतिस्पर्धा, दिखावा और आर्थिक बोझ को बढ़ावा दे रही है, जिससे आम परिवारों पर दबाव बनता है।

आलोक पांडे ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हिन्दू समाज के सभी लोगों को एकजुट होकर इस कुरीति का विरोध करना चाहिए। विवाह जैसे पवित्र संस्कार को सोशल मीडिया प्रदर्शन और फैशन शो का रूप देना हमारी परंपराओं के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत है सादगी, संस्कार और संस्कृति को प्राथमिकता देने की।

उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले अप्रैल माह में आयोजित होने वाले हिन्दू सम्मेलन में इस विषय को लेकर एक ठोस संकल्प लाया जाएगा। सम्मेलन में प्री-वेडिंग शूट जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ प्रस्ताव रखा जाएगा और समाज को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाने की रणनीति बनाई जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि साहू समाज ने जो पहल की है, वह अन्य समाजों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। यदि सभी समाज इस दिशा में आगे आएं तो निश्चित रूप से इस दिखावटी परंपरा पर रोक लगाई जा सकती है। उन्होंने युवाओं से भी अपील की कि वे विवाह को संस्कार के रूप में देखें, न कि प्रदर्शन का माध्यम बनाएं।

समाज के वरिष्ठजनों और सामाजिक संगठनों ने भी इस विचार का समर्थन किया है और कहा है कि प्री-वेडिंग शूट जैसी परंपराएं धीरे-धीरे सामाजिक असमानता और मानसिक दबाव को जन्म दे रही हैं। ऐसे में समय रहते इस पर रोक लगाना जरूरी है।

## कल्याण कॉलेज में बताई तंत्र में गण की महत्ता और समझाया संविधान का पाठ

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

शिक्षाधानी भिलाई के सेक्टर-7 स्थित कल्याण कॉलेज में गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस मौके पर लोकतांत्रिक देश भारत में गण या हरेक व्यक्ति की महत्ता बताई गई। साथ ही संविधान का पाठ भी पढ़ाया गया।

कल्याण कॉलेज में 77वां गणतंत्र दिवस ऊर्जा, उल्लास, उत्साह, उमंग और बड़े आनंद के साथ मनाया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ.विनय शर्मा के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उन्होंने भारत के गणतंत्र होने की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला। राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर वंदे मातरम का गायन भी किया गया।

प्राचार्य डॉ.विनय शर्मा के द्वारा एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवियों को हमेशा भारत की एकता को कायम रखने, देश के अनुशासित व उत्तरदायी नागरिक बने रहने, निस्वार्थ भाव से सकारात्मक, सामुदायिक विकास करने की प्रतिज्ञा दिलाई गई।

कॉरपोरल किरण चंद्राकर और कॉरपोरल दिव्यानी के द्वारा "मेरा देश मेरा मुल्क मेरा ये वतन" गीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में एनसीसी गीत और एनएसएस लक्ष्य गीत को कैडेट्स ने गाया और उपस्थित लोगों का उत्साहवर्धन किया।

इस मौके पर वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष डॉ.सलीम अकील, शिक्षा संकाय के अध्यक्ष डॉ.ईश्वर सिंह बरगाह, विज्ञान संकाय के अध्यक्ष डॉ.गुणवंत चंद्रौल, शिक्षा संकाय की प्राध्यापक डॉ.कविता वर्मा, डॉ.छाया सोनपिपरे, हिंदी विभाग की प्राध्यापक डॉ.फिरोजा जाफर अली, डॉ.अंजन कुमार, अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापक डॉ.अरुणा चौबे, वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डॉ.रवीश सोनी, अमित अग्रवाल, योगेश रामटेके, खोमेश सिन्हा, गजेंद्र, गणित विभाग के अध्यक्ष डॉ.एम.पी.गोस्वामी, रसायन विभाग के अध्यक्ष डॉ.नरेश देशमुख।एनसीसी बॉयज डिवीजन के प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ.हरीश कश्यप, एनसीसी गर्ल्स डिविजन की प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ.के. नागमणि, एनएसएस प्रभारी डॉ.अनिर्बन चौधरी सहित अधिकारी, कमर्चारी, बीएड प्रशिक्षणार्थी, शोधार्थी, विद्यार्थी व अन्य उपस्थित रहे।

## युवाओं की ऊर्जा ही राष्ट्र की असली ताकत-मंत्री टंकराम वर्मा

### डीके कॉलेज बलौदाबाजार में राज्य स्तरीय एनएसएस शिविर का हुआ समापन

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

दाऊ कल्याण शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलौदाबाजार में आयोजित 7 दिवसीय राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का मंगलवार को गरिमामय समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

राज्य स्तरीय इस शिविर में प्रदेश के 9 विश्वविद्यालयों एवं उनसे सम्बद्ध महाविद्यालयों के कुल 270 स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।सात दिनों तक चले शिविर के दौरान विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि युवाओं में अपार ऊर्जा होती है और यदि इस ऊर्जा को सही दिशा में लगाया जाए तो राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस जैसे शिविर युवाओं को अनुशासन, संयम और सामाजिक जिम्मेदारी का बोध कराते हैं, जो जीवन में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं।

उन्होंने संगत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अच्छी संगत व्यक्ति के व्यक्तित्व को सकारात्मक रूप से गढ़ती है, इसलिए युवाओं को सदैव अच्छे विचारों और मूल्यों से जुड़ना चाहिए।स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का स्मरण कराते हुए उन्होंने युवाओं से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने बताया कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नई पहल कर रही है, ताकि प्रदेश के युवाओं को यहीं उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा एवं संस्थान उपलब्ध हो सकें।

समापन समारोह में पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, नगर पालिका उपाध्यक्ष जितेन्द्र महले सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी भी शामिल हुए।

## 5,600 क्विंटल धान के अवैध परिवहन पर कारवाई, फर्म सील

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

कृषि उपज मंडी व्यवस्था में पारदर्शिता, कर अनुशासन और शासकीय राजस्व की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने एक बार फिर सख़्त रुख अपनाया है। नगरी कृषि उपज मंडी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घुटकेला स्थित थोक धान व्यापारी शिवम ट्रेडर्स के विरुद्ध गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर प्रशासन ने निर्णायक कार्रवाई करते हुए फर्म को सीलबंद कर दिया है तथा संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

अनुविभागीय दण्डाधिकारी, नगरी के आदेश पर गठित चार सदस्यीय जांच दल द्वारा 11 जनवरी 2026 को फर्म का मौके पर निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया गया। जांच प्रतिवेदन 14 जनवरी 2026 को प्रस्तुत किया गया, जिसमें ई-मंडी/एग्री पोर्टल से जारी अनुज्ञा पत्रों, स्टॉक पंजी (बी-1) तथा बोरई मंडी चेक पोस्ट के आवक-जावक अभिलेखों का विस्तृत मिलान किया गया। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि फर्म द्वारा ई-मंडी पोर्टल से जारी अनुज्ञा पत्रों की तुलना में स्टॉक पंजी में धान की जावक मात्रा अधिक दर्शाई गई। कई प्रकरणों में पीडीएफ दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर धान की मात्रा बढ़ाकर दिखाई गई, बिना वैध ई-मंडी अनुज्ञा पत्र के परिवहन किया गया तथा चेक पोस्ट पर संशोधित दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। जांच दल के अनुसार कुल 47 अनुज्ञा पत्रों में कूट रचना कर लगभग 5,656 क्विंटल धान का अवैध परिवहन किया जाना प्रतीत होता है।

## सांसद अग्रवाल ने 6 करोड़ 22 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विकासखण्ड धरसींवा के ग्राम कान्दुल में लगभग 6 करोड़ 22 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस अवसर पर ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने वाले कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। लोकार्पित और भूमिपूजित विकास कार्यों में शेड निर्माण, आहता निर्माण, मुक्ति धाम शेड एवं सह प्रतीक्षालय, पूर्व माध्यमिक शाला में शेड और शौचालय निर्माण, तथा सी.सी. रोड निर्माण शामिल हैं। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि ये विकास कार्य ग्रामीणों के जीवन को सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने के साथ-साथ शिक्षा, धर्म और सड़क परिवहन में भी सुधार लाएंगे।

सांसद ने डबल इंजन की भाजपा सरकार द्वारा गांव, गरीब, किसान और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर किए जा रहे कार्यों पर जोर देते हुए कहा कि उनका संकल्प है झ विकसित ग्राम, समृद्ध छत्तीसगढ़ और सशक्त भारत। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इन सुविधाओं का भरपूर उपयोग करें और गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू, R.D.A. अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रायपुर ग्रामीण नंदकुमार साहू, जिला उपाध्यक्ष संदीप यदु, जनपद सदस्य ममता ध्रुव, तिलेश्वरी जितेन्द्र धुरंधर, मुकेश पाल, लखनलाल वर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे। उन्होंने सांसद बृजमोहन अग्रवाल को ग्राम के विकास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। सांसद ने ग्रामवासियों के बीच संवाद करते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में शेड और शौचालय निर्माण से बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित होगा। इसके अलावा, सी.सी. रोड निर्माण से ग्रामवासियों की आवाजाही सुरक्षित और सुविधाजनक होगी। उन्होंने कहा कि आहता और मुक्ति धाम शेड निर्माण से धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए आवश्यक अवसंरचना उपलब्ध होगी।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व और विकास योजनाओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्य ग्रामवासियों की जीवनशैली में सुधार लाने के साथ-साथ रोजगार और सामाजिक विकास में भी योगदान देंगे। सांसद ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को यह भी आश्वस्त किया कि भविष्य में भी विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता बनाए रखी जाएगी और प्रत्येक गांव तक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचे।

# स्वास्थ्य विभाग की नवाचारी पहल से बुजुर्गों तक पहुचा आयुष्मान कवच

*नई दृष्टिबिंदु / एमसीबी*

### दुर्गम क्षेत्रों में बन रहे वय वंदन कार्ड

एमसीबी जिले के अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के संकल्प को साकार करते हुए भरतपुर विकासखंड में स्वास्थ्य विभाग ने सेवा, समर्पण और संवेदनशील प्रशासन की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों, पहाड़ी इलाकों और कमजोर मोबाइल नेटवर्क जैसी चुनौतियों के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की टीम बुजुर्गों के आयुष्मान वय वंदन कार्ड बनाने के लिए लगातार फील्ड में सक्रिय बनी हुई है।

अंदरूनी ग्रामों में नेटवर्क की गंभीर समस्या को देखते हुए विभाग द्वारा अभिनव व्यवस्था अपनाई गई है। जहाँ भी बेहतर मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध हो रहा है, वहाँ वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानपूर्वक पहुँचाया जा रहा है और मौके पर ही उनका वय वंदन कार्ड तैयार किया जा रहा है। इस मानवीय और व्यावहारिक पहल से अब तक अनेक बुजुर्गों को योजना का सीधा लाभ मिल चुका है, जो पहले तकनीकी बाधाओं के कारण वंचित रह जाते थे।

संवेदनशीलता के साथ न केवल कार्ड निर्माण का कार्य कर रहे हैं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों को योजना के लाभों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक भी कर रहे हैं। आयुष्मान वय वंदन कार्ड 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को पाँच लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाता है।

इस योजना में पारिवारिक आय की कोई बाध्यता नहीं है, जिससे हर पात्र बुजुर्ग को स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसा मिल रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि जिले का कोई भी पात्र वरिष्ठ नागरिक इस योजना से वंचित न रहे। नेटवर्क की समस्या निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी प्रतिबद्धता के साथ फील्ड में कार्य करते हुए हर बुजुर्ग तक पहुँच रही है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और

## नाले में गिरे बछड़े के लिए 'देवदूत' बनी निगम की टीम, जेसीबी की मदद से सुरक्षित निकाला बाहर

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

राजधानी शहर रायपुर के जीई मार्ग में महावीर पार्क अनुपम गार्डन के पास पुरानी नेकी की दीवार के समीप अचानक एक बछड़ा खुले नाले में गिर गया। वहाँ के स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी नगर निगम जोन 7 को दी।

नगर निगम जोन 7 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के निर्देश पर तत्काल जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू ने वहाँ सम्बंधित स्थल में पहुँचकर विशेष टीम और जेसीबी मशीन की सहायता से रस्सी से बांधकर नाले में अचानक गिरे बछड़े को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसे लेकर वहाँ के स्थानीय निवासियों ने प्रकरण में नगर निगम जोन 7 स्वास्थ्य विभाग की टीम की जानकारी मिलते ही तत्काल बछड़े को नाले से बाहर सुरक्षित निकाले जाने के कार्य की सराहना की।

# ट्रेडमिल पर दौड़ने का पूरा लाभ उठाना हो तो

## जूते सही पहनें

जब भी ट्रेडमिल पर दौड़े, सही जूते पहनें। अक्सर लोग जूतों की लुक्स पर ध्यान ज्यादा देते हैं जबकि आरामदायक और सोल में एक्सट्रा पैडिंग वाले जूते पहनने चाहिएं ताकि दौड़ते समय पैरों पर अधिक जोर नहीं पड़े। आगे के लिए ध्यान देकर ही जूतों को पहनें।

आधुनिक युग ने जो लाइफ स्टाइल और खानपान लोगों को दिया है, उससे लोग शारीरिक रूप से अधिक सुस्त हो गए हैं। परिणामस्वरूप मोटापा उन्हें जल्द घेर लेता है। फिर शुरू आत होती है उस मोटापे से निजात पाने की। जिम,डाइटिंग, एरोबिक्स,स्विमिंग और अन्य कई तरीकों को अपनाकर जल्द से जल्द मोटापा कम करने की दौड़ शुरू हो जाती है। इस दौड़ में जोश इतना होता है कि होश भूल जाते हैं,जैसे वजन घटाने के लिए ट्रेडमिल पर तो लोग खूब दौड़ते हैं पर उनका तरीका सही है या नहीं, इसका ज्ञान उन्हें नहीं होता। ट्रेडमिल पर लगातार दौड़ कर भी उनके शरीर को उतना लाभ नहीं मिल पाता जितना मिलना चाहिए।

- **दौड़ते समय नीचे न देखें :** ट्रेडमिल पर चढ़ते से पूर्व 3 से 4 बार गहरे सांस लें और कंधों को खींचकर सामने देखें और चलना आरंभ करें। फिर धीरे धीरे स्पीड बढ़ाते हुए दौड़ना प्रारंभ करें। ट्रेडमिल पर जब भी आप चलें या दौड़े, नीचे की ओर न देखें, न ही पैरों के मूवमेंट पर ध्यान दें। इससे आप दौड़ने पर फोकस नहीं कर पाएंगे। फोकस हटने से दुर्घटना हो सकती है। आप फिसल सकते हैं। इसके अलावा गर्दन व पीठ की नस पर खिंचाव आ सकता है।
- **इंक्लाइन पर अधिक न दौड़ें:** जब भी इंक्लाइन मोड पर आप दौड़ें तो स्पीड अधिक न करें। अगर आप संतुलित दौड़ रहे हैं तो कोई दिक्कत नहीं। तेज दौड़ रहे हैं तो कमर और रीढ़ की हड्डियों पर प्रभाव सीधा पड़ता है। 1.5 के इंक्लाइन मोड पर रखें और हल्की स्पीड पर दौड़ें।
- **मुंह से सांस न लें:** अगर आप सांस ठीक से नहीं लेते तो आपको सांस भी चढ़ेगा और टांगों में खिंचाव की समस्या भी होगी। प्रातः डीप ब्रीदिंग का अभ्यास करें ताकि सांस नाक से गहराई से लें। इससे आप शरीर को आक्सीजन की सही मात्रा से मिल सकेगी। अगर आप मुंह से सांस लेते हैं तो आपका सांस लेने का सिस्टम ठीक नहीं है। इससे न तो आपका स्टेमिना बढ़ेगा,थकान भी जल्दी होगी और मांसपेशियों तक आक्सीजन पूरी नहीं पहुंच पाएगी।
- **स्ट्रेचिंग अवश्य करें :** ट्रेडमिल पर चढ़ने से पूर्व कुछ वार्मअप एक्सरसाइज अवश्य कर लें। उसमें स्ट्रेचिंग पर विशेष ध्यान दें। सीधा ट्रेडमिल पर जाएंगें तो जल्दी थकेंगे और मसल्स में खिंचाव होने का खतरा भी रहेगा जिससे आप ट्रेडमिल पर समुचित दौड़ नहीं पाएंगे। २अगर इन बातों को नजर में रखते हुए ट्रेडमिल पर चढ़ते हैं तो आप इसका पूरा लाभ उठा सकते हैं।

## दौड़ते समय हैंडल का सहारा न लें

दौड़ते समय ट्रेडमिल के हैंडल का सपोर्ट न लें। बहुत से लोग हैंडल का सहारा लेते हैं जबकि सहारा लेने से कैलोरी कम बर्न होती है। फिटनेस विशेषज्ञों का भी यही कहना है कि हैंडल का सहारा न लें। जब आप इंक्लाइन मोड पर भी क्यों न हो, न तो हैंडल पकड़ें, न ही आगे झुककर चलें।

# यूं पाएं झुर्रियों व झाईयों से छुटकारा

लड़कियां तो ऐसे हालात में मन मसोस कर रह जाती हैं, जबकि घरेलू उपायों द्वारा भी विकारयुक्त चेहरे की त्वचा को नया निखार दिया जा सकता है, जिनके नियमित इस्तेमाल से झाईयों, मुंहासों, झुर्रियों व दाग-धब्बों से छुटकारा पाया जा सकता है।

- *तुलसी के पत्तों का रस व नींबू का रस बराबर मात्रा में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे झाईयां व मुंहासे दूर हो जाते हैं।*
- *रोज पुदीने की पत्तियां पीसकर उनका रस चेहरे पर लगाएं। थोड़ी देर बाद धो लें। चेहरे की झाईयां धीरे-धीरे मिटने लगेंगी।*
- *एक छोटा चम्मच ककड़ी का रस रोज चेहरे पर लगाएं। इससे चेहरे की त्वचा निखरती है।*
- *रोजाना एक छोटा लाल टमाटर काट लें। इसमें नींबू की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर मलें। 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। कुछ ही दिन में त्वचा दाग रहित हो जाएगी।*
- *रूखी त्वचा में झुर्रियां जल्दी पड़ जाती है, जिससे चेहरा निस्तेज व सांवला लगने लगता है। इससे बचने के लिए रात्रि में मलाई व नींबू का रस लगाकर सो जाएं। सुबह गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।*
- *रोजाना पुदीने का रस व आलू का रस मिलाकर लगाने से भी झाईयां दूर हो जाती हैं।*
- *संतरे के छिलकों को मलाई में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे रूखी त्वचा वाला चेहरा कांतियुक्त हो जाता है।*
- *झुर्रियों से छुटकारा पाने हेतु कच्चे आलू को पीसकर उसमें ग्लिसरीन, सिरका व गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगाएं व सूख जाने पर ताजे पानी से धो लें।*
- *शहद में नींबू का रस मिलाकर लगाने से भी झुर्रियों से छुटकारा पाया जा सकता है।*
- *एक चम्मच मलाई में तीन-चार रसभरी मसलकर मिला लें। फिर इसे चेहरे पर मलें व लगभग 15 से 20 मिनट बाद धो लें।*

# सिर्फ अपने को ही नहीं अपने पेट्स को भी गर्मियों से बचाएं

हममें से जिनका दिल अपने चार टांगों वाले पालतू जानवरों के लिए धड़कता है, उनके लिए गर्मी कठिन आजमाइश का मौसम है। गर्मी का प्रभाव हम पर भी पड़ता है और हमारे पेट्स पर भी। इसलिए जब हम अपने आराम के बारे में सोचते हैं तो साथ ही अपने पेट्स के बारे में भी विचार करते हैं। जानवरों की खाल मोटी होती है जिससे उन्हें गर्मी ज्यादा लगती है। अपने प्यारे पेट का हेयरकट ही करा दिया जाए। जब गर्मियों की शुरूआत में ही कुत्ते का हेयरकट करा दिया जाता है तो बालों के जाड़ों तक बड़े होने के लिए पर्याप्त समय होता है।

अगर आपने अप्रैल में अपने कुत्ते का हेयरकट नहीं कराया है तो यह अब भी कराया जा सकता है। क्योंकि इससे कम से कम जुओं को तो दूर किया ही जा सकता है। गर्मियों के मौसम में जुओं और मक्खियों से जानवरों को बहुत ज्यादा बेचैनी होती है। जो लोग अपने पेट्स को एसी सुविधा के साथ पालते हैं उनके लिए आवश्यक हो जाता है कि वह उन्हें एसी में ही रखें। लेकिन अपने पेट को मशीन के बिल्कुल सामने न बैठने दिया जाए। डेजर्ट कूलर से पानी की फुहार आती रहती है और कोई भी पेट गर्मी से बचने के लिएइस ठंडक का अनुभव करना चाहेगा। लेकिन यह आपकी जिम्मेदारी बनती है कि आप अपने पेट्स को ऐसा न करने दें। क्योंकि उन्हें कोल्ड हो सकता है।

गर्मियों में सबसे महत्वपूर्ण चीज यह है कि आप रोजाना अपने पेट के बाल संवारें। पेट साल में दो बार बाल गिराता है। यह काम गर्मियों के मौसम में भी वह करता है इसलिए कंघे या ब्रश से बालों को संवारना आवश्यक हो जाता है ताकि मृत बाल और धूल, जोकि गर्मियों में ज्यादा होती है, निकल जाए और ब्लड सकुर्लेशन भी बेहतर हो जाए। गर्मियों में पेट्स अमूमन खाने की इच्छा खो बैठते हैं। इसलिए उन्हें सवेरे या फिर देर शाम में भोजन कराया जाए। दोपहर की तपती हुई गर्मी में भोजन कराने से बचना चाहिए। गर्मियों में कुत्ते या बिल्ली को ऐसी चीज खाने के लिए दें जिनकी तासीर ठंडी हो। उन्हें बटरमिल्क, ठंडा पानी, तरबूज और दही खिलाएं। रेडमीट से जहां तक हो, बचा जाए।

# घर को रखें साफ-सुथरा

कहा जाता है कि घर की सजावट इंसान के व्यक्तित्व एवं उसकी रूचि को दर्शाती है। घर भले ही छोटा हो लेकिन अगर ठीक प्रकार से उसे सजाया जाए तथा साफ-सुथरा रखा जाए तो वह देखने में अच्छा लगता है। दूसरी तरफ अगर किसी घर में सारा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा हो या फिर घर साफ-सुथरा न हो तो ऐसा दृश्य वातावरण को बोझिल बना देता है तथा साथ ही ऐसे घर में कोई ठहरना भी पसंद नहीं करता।

## किस प्रकार घर को चमका सकती हैं

- घर की दीवारों पर लगे पुराने कलेंडरों को हटा दें। उनकी जगह नये केलेंडर लगायें।
- घर की सफाई करें तो छोटी-मोटी चीजों को भी अवश्य साफ करें जैसे बल्ब, ट्यूबलाइट, टेबलफैंप इत्यादि।
- किसी तस्वीर का शीशा अगर टूट जाए तो ऐसी तस्वीर को दीवार से हटा दें, क्योंकि टूटी हुयी तस्वीरें मन में नकारात्मक विचारों को उत्पन्न करती हैं।
- कई बार छोटे बच्चे टेबिल पर पेंसिल चला देते हैं। ऐसे दागों को साबुन की मदद से साफ कर दें।
- घर के जालों को नियमित रूप से साफ करती रहें।
- बच्चों के कमरे में गहरे रंग की बैड-शीट बिछायें क्योंकि बच्चे बहुत जल्दी कपड़े गंदे कर देते हैं।
- अपने घर में कोई पौधा या फूलवारी लगायें, इससे आपका घर हरा-भरा लगेगा।
- घर की सफाई हेतु आप अपने बच्चों से भी सहयोग ले सकती हैं। उदाहरण के लिए आप अपने बच्चों से छोटा सा कूड़ादान बनाने को कहें और उन्हें हिदायत दें कि वे छोटा-मोटा कूड़ा जैसे कि कागज, पेंसिल के छिलके इत्यादि उसी कूड़ेदान में डालें और अन्यत्र न फेंकें।
- अपने कमरे में बेडशीट से मेल खाते तकिए लगायें और अगर संभव हो तो कुशन-कवर भी उसी रंग से मिलते-जुलते लगायें।
- आजकल बाजार में कई सारे फेंग-शुई के आइटम्स देखने को मिलते हैं। उदाहरण के लिए- हंसते हुए बुद्ध की मूर्ति, धातु अथवा बांस की घंटियां और धातु का कछुआ इत्यादि। फेंग-शुई के ये आइटम्स घर को आकर्षक बनाने के अलावा मनुष्य की मानसिकता को सकारात्मक बनाने में सहायता करते हैं।

## लघुकथा

# जीने का सहारा

हरियाली से आच्छादित पूरा गांव, शहर की चकाचौंध दुनिया से कोसों दूर। जीवन यापन की प्रत्येक वस्तु उपलब्ध थी। इस फसल के पैसों से सभी के लिए नए कपड़े लाऊंगा,भरपूर फसल को निहारते हुए पिता ने कहा।

पापा मेरे लिए स्कूल की नई ड्रेस लाना,खुशी के साथ बेटी ने कहा। मेरे लिए भी,बेटे ने कहा।

यह पूरे खेत में फैली हुई फसल उनके जीवन में नए रंग भरने के लिए काफी थी। फसल पक कर तैयार थी।

अचानक उन्हें खबर मिली कि देश में महामारी फैल चुकी है पर उनको क्या, उनका तो महामारी से उतना ही वास्ता था, जितना आजकल राजनीति का गरीबी से। महामारी शहर तक सीमित रहती तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं थी। मगर महामारी का विकराल रूप गरीब की झोपड़ी तक जाने लगा। फसल कटने के लिए तैयार थी। लेकिन फसल को काटने के लिए अन्य लोगों को आमंत्रित नहीं कर सकते थे महामारी के कारण।

पर इंतजार किसका करें। पति-पत्नी दोनों फसल काटने लगे,लेकिन यह तो कार्य बहुत धीरे हो रहा था।

अचानक दूसरे दिन टिड्डी दल का हमला हो गया और पूरे खेत की फसल साफ कर दी। महामारी तो केवल कुछ लोगों का जीवन छिन रही थी, लेकिन टिड्डी दल ने तो उनके जीने का सहारा छिन लिया।

# आ गया हर दिल अजीज आम का मौसम

*आम की छाल द्वारा स्याही भी तैयार की जाती है। आम का गोंद श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को बनने वाले विभिन्न स्वादिष्ट मिष्ठानों में प्रयुक्त होता है। यह हड्डी एवं घुटनों के रोगी के लिए भी रामबाण का कार्य करता है।*

भारत में सर्वोत्तम आमों की पैदावार वाले क्षेत्र लखनऊ, मलीहाबाद, सहारनपुर, दरभंगा, भागलपुर, मुर्शिदाबाद, रत्नागिरी, मालदा, विशाखापत्तनम, चित्तूर, बलसाड़ और गोवा हैं। मलीहाबाद के आम अवध के नवाबों और मुगलकालीन शासकों की शान के प्रतीक रहे हैं। आम को विभिन्न तरीकों से खाया जा सकता है-कच्चे आम की सब्जी, चटनी बनती है और उसका अचार भी डाला जाता है। पके हुए आम को काटकर या घोलकर खाया जाता है। मैंगो शेक तो अब हर नुक्कड़ पर बिकने लगा है। आम शायद अकेला ऐसा फल है जिसकी दावतें बाग में दी जाती हैं। मुख्तसर यह है कि आम की इतनी खूबियां हैं कि वह फलों का राजा बन बैठा है।

आम मीठे होते हैं, इसलिए आमतौर पर कह दिया जाता है कि डायबिटीज के रोगी आम न खाएं। लेकिन तथ्य यह है कि ऐसे रोगियों के लिए आम में जबरदस्त उपचार की क्षमता है। आम के पत्तों को रात भर पानी में भिगो लें। सुबह उन्हें निचोड़कर पानी को पी लें। शुरूआती डायबिटीज को नियंत्रित करने का यह सबसे अच्छा तरीका है। आम के छाल को उबालकर तैयार किया गया काढ़ा आयुर्वेद की एक मुफीद औषधि है। आम की छाल द्वारा स्याही भी तैयार की जाती है। आम का गोंद श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को बनने वाले विभिन्न स्वादिष्ट मिष्ठानों में प्रयुक्त होता है। यह हड्डी एवं घुटनों के रोगी के लिए भी रामबाण का कार्य करता है। आम की गुठली भी आंव दस्त आदि रोगों में भी काम आती है। ग्रामीण परिवेश के लोग विभिन्न रोगों से बचे रहने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करने के उद्देश्य से आम की गुठली को पीसकर आटे में प्रयोग करते हैं।

### आम के लाभ

- आम में विटामिन, मिनरल, एंटी ऑक्सीडेंट, पोटेशियम, कैल्शियम, आयरन और फाइबर होते हैं।
- हरे या कच्चे आम में स्टार्च, पैक्टिन और विटामिन सी व बी होते हैं।
- आम में पाचक एंजाइम होते हैं जो मेटाबोलिज्म (पाचन क्रिया) को बढ़ाते हैं, भूख खुलकर लगती है और यह आंतों की सफाई या डिटॉक्स कर देते हैं।
- फाइबर की अधिकता के कारण आम कब्ज को दूर करता है।
- कोलन व सरवाइकल के कैंसर के खतरे को कम करता है।
- गुर्दे के रोग के कारण जो परेशानी होती है, उसमें राहत पहुंचाता है।
- सांस के रोग में फायदेमंद है। एसिडिटी को दूर करता है।त्वचा के छिद्रों को खोलकर रंग को बेहतर बनाता है।
- बुखार को दूर करता है। नाइट ब्लाइंडनेस व आंख के अन्य रोगों के उपचार में लाभकारी है।

# क्यों मनाया जाता है विश्व मधुमक्खी दिवस

मधुमक्खियां परागणकों की गिनती में आती हैं जो ना सिर्फखेती बल्कि प्रकृति के बैलेंस को बनाए रखने में भी विशेष भूमिका निभाती हैं। मधुमक्खियों और अन्य परागणकों के पालन पर जोर देने और इनके महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 20 मई का दिन विश्व मधुमक्खी दिवस के रूप में घोषित किया है।

इस दिन मधुमक्खी पालन के अनुसंधान और विकास, इस क्षेत्र की चुनौतियों, साझेदारी और समाधान पर चर्चा की जाती है। यह प्रथा काफी व्यापक है। मधुमक्खियां बड़े शहरों और गांवों में, खेतों और मैदानों पर, जंगलों और रेगिस्तानों में, आर्कटिक और अंटार्कटिक से भूमध्य रेखा तक पाई और पाली जा सकती हैं। हालांकि मधुमक्खियां पालतू नहीं होती हैं। किन्तु शहरों, या गांवों में, पेड़ों पर या मानव निर्मित घरों पर मधुमक्खी के छत्ते दिखना आम बात है।

### इस दिन को मनाने का उद्देश्य

विश्व मधुमक्खी दिवस पर लोगों को मधुमक्खी पालन, बागवानी और कृषि फसलों पर पर-परागण के महत्व की जानकारी दी जाती है। इस आयोजन में मधुमक्खी पालन और बागबानी के उत्पादों जैसे- शहद, रायल जैली, बी-पोलेन, प्रपोलिस और बी-वैक्स आदि के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी दी जाती है। यह आयोजन मधुमक्खी पालन, बागवानी एवं कृषि फसलों से जुड़े किसानों-व्यवसायियों के लिए लाभदायक माना गया है।

फोकस

## प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना : असंगठित श्रमिकों को बुढ़ापे में संबल

**रायपुर।** केन्द्र शासन द्वारा असंगठित श्रमिकों को बुढ़ापे में संबल देने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य रेहड़ी-पटरी लगाने वाले, रिक्शा चालक, निर्माण श्रमिक, खेतिहर मजदूर सहित असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के भविष्य को सुरक्षित करते हुए 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद प्रति माह 03 हजार रूपए की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है। यह एक स्वैच्छिक एवं अंशदायी पेंशन योजना है, जिसमें श्रमिक द्वारा किए गए अंशदान के बराबर राशि केंद्र सरकार द्वारा भी जमा की जाती है।

श्रम पदाधिकारी मुंगेली अभिषेक सिंह ने बताया कि योजना का लाभ 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के वे श्रमिक उठा सकते हैं, जिनकी मासिक आय 15 हजार रूपए या उससे कम हो। लाभार्थी का ईपीएफओ, ईएसआईसी या एनपीएस का सदस्य नहीं होना चाहिए और वह आयकर दाता भी न हो। अंशदान आयु के अनुसार तय है। 18 वर्ष की आयु में जुड़ने पर मात्र 55 रूपए प्रतिमाह, जबकि 40 वर्ष की आयु में जुड़ने पर 200 रूपए प्रतिमाह अंशदान निर्धारित है। इच्छुक श्रमिक अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर में जाकर पंजीकरण करा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर और नामिनी का विवरण आवश्यक है। इसके अलावा लाभार्थी स्वयं www.maandhan.in पोर्टल के माध्यम से भी ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

# निर्बाध व गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति के लिए पेयजल योजनाओं का प्रभावी संचालन व अनुरक्षण सुनिश्चित करना जरूरी - अरुण

## केंद्र सरकार और राज्यों के बीच पंचायतों को हस्तांतरित पेयजल योजनाओं के संचालन और रखरखाव पर मंथन

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*







उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण पेयजल सेवाओं के प्रभावी संचालन एवं अनुरक्षण (O&M) के लिए आयोजित मिनिस्टर्स लेवल पॉलिसी डायलॉग ऑन सस्टेनेबल ओएंडएम ऑफ रुरल ड्रिंकिंग वाटर सर्विसेस (Ministers Level Policy Dialogue on Sustainable O&M of Rural Drinking Water Services) में शामिल हुए। नई दिल्ली में आज आयोजित इस महत्वपूर्ण नीति संवाद की अध्यक्षता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल एवं केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने की। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, भारत सरकार के सचिव एवं अतिरिक्त सचिव सहित देश के विभिन्न राज्यों के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के मंत्री भी शामिल हुए। इस संवाद कार्यक्रम में भारत सरकार और विभिन्न राज्यों के बीच ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था को दीघर्कालिक, सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने गहन विचार-विमर्श किया गया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नीति संवाद में छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों, जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों तथा राज्य की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत निर्मित पेयजल योजनाओं को पंचायतों को हस्तांतरित करने के बाद उनका प्रभावी संचालन एवं अनुरक्षण सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति बनी रहे। श्री साव ने पंचायतों की भूमिका, स्थानीय सहभागिता और तकनीकी सहयोग को जलापूर्ति व्यवस्था की स्थिरता का आधार बताया।

बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से प्राप्त व्यावहारिक अनुभवों एवं सुझावों पर भी गहन चर्चा हुई, जिससे जमीनी स्तर पर जलापूर्ति व्यवस्था को और अधिक सशक्त, टिकाऊ तथा जनहितकारी बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें। राज्य की ओर से जल जीवन मिशन के मिशन संचालक जितेंद्र शुक्ला, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता ओंकेश चंद्रवंशी, अधीक्षण अभियंता ए.के. मालवे तथा कार्यपालन अभियंता संजय राठौर ने भी बैठक में भागीदारी की।

# आयुष्मान योजना में निजी अस्पतालों का 600 करोड़ भुगतान अटका, अस्पतालों ने इलाज बंद करने की दी है चेतावनी

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*



प्रधानमंत्री जन आरोग्य एवं शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत निजी अस्पतालों को पिछले करीब पांच महीनों से भुगतान नहीं मिल पाया है। इस दौरान लंबित राशि लगभग 600 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। भुगतान में हो रही देरी को लेकर निजी अस्पतालों के डॉक्टरों में गहरी नाराजगी है और यदि 10 दिनों के भीतर राशि जारी नहीं की गई तो इलाज सेवाएं बंद करने जैसे कठोर कदम उठाने की चेतावनी दी गई है।

निजी अस्पतालों के संचालन में आ रही दिक्कतों को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया की शनिवार और रविवार को अलग-अलग बैठकें आयोजित हुईं। इन बैठकों में आयुष्मान योजना भुगतान में देरी, बायोमेडिकल वेस्ट के नाम पर लगाए जा रहे भारी यूजर चार्ज और प्रशासनिक जटिलताओं को लेकर तीखी चर्चा हुई।

निजी अस्पतालों के चिकित्सकों ने बताया कि आयुष्मान योजना की भुगतान प्रक्रिया को अब तक सरल नहीं किया गया है। लगातार पांच महीने से भुगतान नहीं मिलने के कारण छोटे और मध्यम स्तर के अस्पतालों के सामने संचालन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। डॉक्टरों के अनुसार, नियमित खर्चों और स्टाफ के वेतन भुगतान में भी कठिनाइयां आ रही हैं।

प्रदेश में विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए निजी अस्पतालों को वर्ष 2018 में तय की गई दरों के अनुसार भुगतान किया जा रहा है। इन दरों में संशोधन को लेकर कई बार चर्चा हुई, लेकिन अब तक कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया है। इस बीच मेडिकल उपकरणों, दवाइयों, उपभोग सामग्री और नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ के वेतन में भारी बढ़ोतरी हो चुकी है। अस्पताल संगठनों का कहना है कि महंगाई, मानव संसाधन लागत और अन्य संचालन खर्चों में हुई वृद्धि को देखते हुए आयुष्मान योजना की मौजूदा दरों पर इलाज कर पाना संभव नहीं है। ऐसे में योजना की दरों का पुनर्निर्धारण करना बेहद जरूरी हो गया है, ताकि निजी अस्पतालों की भागीदारी बनी रह सके और मरीजों को समय पर उपचार मिलता रहे।

# दीक्षांत समारोह से पहले कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी विधायक यशोदा को अतिथि न बनाने पर जताया विरोध

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*



इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में क्षेत्रीय विधायक श्रीमती यशोदा नीलांबर वर्मा को अतिथि के रूप में आमंत्रित नहीं किए जाने से नाराज शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा घोषित विरोध प्रदर्शन से पहले ही प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार कर नजरबंद कर दिया।

शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा आज सुबह 11 बजे विश्वविद्यालय प्रशासन का पुतला दहन एवं अतिथियों को काला झंडा दिखाने का ऐलान किया गया था। इस घोषणा के बाद प्रशासन हरकत में आया और पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों की टीम बुधवार सुबह करीब 10 बजे दाऊचौरा स्थित विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन के निवास पहुंची। मौके पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अरुण भारद्वाज, विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन, नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष दीपक देवांगन, पूरन सारथी, शेखर दास वैष्णव, सूरज देवांगन, भूपेंद्र वर्मा, संदीप लहरें सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अनुविभागीय अधिकारी खैरागढ़ टंकेश्वर प्रसाद साहू ने कांग्रेस नेताओं को समझाइश देते हुए बताया कि वर्ष 2022 में भी विधायक को दीक्षांत समारोह में अतिथि नहीं बनाया गया था। इस पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि उस समय क्षेत्र में कांग्रेस की विधायक नहीं थीं, इसलिए विरोध नहीं किया गया था। अब निर्वाचित विधायक को सम्मान नहीं दिया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। समझाइश के बावजूद कांग्रेस नेता अपने निर्णय पर अडिग रहे और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन से पीछे हटने से इनकार कर दिया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने डॉ. अरुण भारद्वाज, मनराखन देवांगन, दीपक देवांगन, शेखर दास वैष्णव, पूरन सारथी, भूपेंद्र वर्मा, सूरज देवांगन, संदीप लहरें सहित अन्य नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा मुर्दाबाद, भाजपा डरती है, पुलिस को आगे करती है‍ और पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद‍ के नारे लगाए तथा स्वेच्छा से गिरफ्तारी दी।

विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अरुण भारद्वाज ने इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से विरोध दर्ज कराने के अधिकार को दबाया जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनप्रतिनिधि के सम्मान और जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ आगे भी संघर्ष जारी रखेगी। इस घटनाक्रम के बाद खैरागढ़ में राजनीतिक माहौल गरमा गया है और दीक्षांत समारोह से पहले प्रशासन व कांग्रेस के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है।

# श्री देव आनंद जैन शिक्षण संघ के अनियमितताओं की होगी जांच, रजिस्ट्रार ने किया जांच अधिकारी नियुक्त

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

शहर की प्रतिष्ठित संस्था 'श्री देव आनंद जैन शिक्षण संघ' के कामकाज और वित्तीय प्रबंधन को लेकर लंबे समय से चल रही शिकायतों के बाद अब शासन ने कड़ा रुख अपनाया है। रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं, छत्तीसगढ़ ने संस्था के विरुद्ध औपचारिक जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। इस जांच के लिए सहायक पंजीयक (बिलासपुर संभाग) को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिन्हें अधिनियम के तहत व्यापक शक्तियां प्रदान की गई हैं।

### शिकायतों के बाद कार्रवाई

जानकारी के अनुसार, रजिस्ट्रार कार्यालय को 14 मार्च 2025 से लेकर 08 जनवरी 2026 के मध्य संस्था के खिलाफ कई गंभीर शिकायतें प्राप्त हुई थीं। ये शिकायतें मुख्य रूप से संस्था के गठन, सदस्यता प्रक्रिया, कार्यकरण और वित्तीय स्थिति में अनियमितताओं को लेकर थीं। विभाग द्वारा इस संबंध में संस्था से जवाब तलब किया गया था, लेकिन समय-सीमा के भीतर संस्था द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नहीं पाए गए। इसके चलते शिकायतकर्ताओं द्वारा लगातार निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही थी।

### कानूनी प्रावधान और जांच अधिकारी की नियुक्ति

मामले की गंभीरता को देखते हुए, रजिस्ट्रार ने छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1973 (संशोधित 1998) की धारा 32(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जांच का आदेश दिया है।

जांच का जिम्मा श्री ज्ञान प्रकाश साहू (सहायक पंजीयक, फर्म्स एवं संस्थाएं, बिलासपुर संभाग) को सौंपा गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जांच अधिकारी को अधिनियम की धारा 32(3) के तहत वे सभी विधिक शक्तियां प्राप्त होंगी, जो निष्पक्ष जांच के लिए आवश्यक हैं। इसमें गवाहों को बुलाने, दस्तावेजों को जब्त करने या तलब करने का अधिकार शामिल हो सकता है।

### सहयोग न करने पर हो सकती है कार्रवाई

रजिस्ट्रार ने श्री देव आनंद जैन शिक्षण संघ के अध्यक्ष और सचिव को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे जांच अधिकारी द्वारा मांगे गए सभी आवश्यक अभिलेख और दस्तावेज तत्काल उपलब्ध कराएं। जांच में असहयोग या दस्तावेज छिपाने की स्थिति में संस्था के पदाधिकारियों पर कानूनी शिकंजा और कस सकता है।

### पारदर्शिता पर जोर

प्रशासन का यह कदम स्पष्ट करता है कि सार्वजनिक शिक्षण संस्थाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए शासन अब किसी भी प्रकार की कोताही बरतने के मूड में नहीं है। इस जांच से संस्था की वास्तविक आंतरिक स्थिति और वित्तीय प्रबंधन की सच्चाई सामने आने की उम्मीद है।

### समय-सीमा निर्धारित

आदेश के मुताबिक, जांच अधिकारी को संस्था के कार्यकरण, वैधानिक गठन और वित्तीय लेन-देन की सूक्ष्मता से जांच करनी होगी। उन्हें अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट 60 दिनों के भीतर रजिस्ट्रार कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी।

# वित्त मंत्री ओपी चौधरी मिले विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह से, बजट सत्र 2026-27 पर हुई चर्चा

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*



वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने छग विस अध्यक्ष रमन सिंह से मुलाकात की। मुलाकात के बारे में रमन सिंह ने बताया, आगामी विधानसभा के बजट सत्र, आर्थिक एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक और सकारात्मक संवाद हुआ। विधानसभा का बजट सेशन 23 फरवरी से शुरू होकर 27 मार्च तक चलने की उम्मीद है।

स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सेशन की तैयारियों पर चर्चा की है। मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह स्पीकर हाउस में स्पीकर डॉ. रमन सिंह से मिले। उन्होंने वहां करीब एक घंटा बिताया। दोनों ने विधानसभा के बजट सेशन की तैयारियों पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक, बजट सेशन 23 फरवरी से शुरू होकर 27 मार्च तक चलने की उम्मीद है। 27 फरवरी को विधानसभा में बजट पेश किए जाने की उम्मीद है। सेशन की शुरुआत गवर्नर के भाषण से होगी, जिसके बाद धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी।

विधानसभा सेक्रेटरी दिनेश शर्मा राज्य से बाहर हैं, और कल उनके लौटने के बाद सेशन के बारे में नोटिफिकेशन जारी किया जा सकता है।

समारोह राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ की झांकी कलाकारों का सम्मान

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सराही जनजातीय कला, कलाकार हुए भावविभोर

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*



गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर छत्तीसगढ़ की झांकी में शामिल कलाकारों को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात का गौरव प्राप्त हुआ। राष्ट्रपति से स्नेहपूर्ण मुलाकात के दौरान कलाकार भावविभोर और अभिभूत नजर आए।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ की झांकी की प्रशंसा करते हुए कहा कि झांकी के माध्यम से देश की समृद्ध जनजातीय परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का प्रभावशाली प्रदर्शन हुआ है। उन्होंने कलाकारों के समर्पण, मेहनत और जीवंत प्रस्तुति की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया भी कहा।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले से आए जनजातीय कलाकारों ने गणतंत्र दिवस परेड के दौरान छत्तीसगढ़ की झांकी के साथ पारंपरिक मंदार नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी थी, जिसने कर्तव्य पथ पर मौजूद दर्शकों के साथ-साथ देश-दुनिया का ध्यान आकर्षित किया।

कलाकारों ने राष्ट्रपति से मुलाकात को अपने जीवन का अविस्मरणीय क्षण बताते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें अपनी कला, संस्कृति और परंपराओं को और अधिक निष्ठा के साथ आगे बढ़ाने की नई प्रेरणा देगा।

राष्ट्रपति से मुलाकात करने वालों में टीम लीडर तेज बहादुर भुवाल के नेतृत्व में नारायणपुर जिले के ग्राम नयनार से आए 13 सदस्यीय दल में जेनू राम सलाम, लच्छू राम, जैतू राम सलाम, राजीम सलाम, दिनेश करंगा, जयनाथ सलाम, मानसिंग करंगा, चन्द्रशेखर पोटाई, धनश्याम सलाम, जगनाथ सलाम, सुरेश सलाम तथा घोड़लापारा, ग्राम नयनार निवासी दिलीप गोटा शामिल रहे।

उल्लेखनीय है कि बस्तर अंचल की इस पारंपरिक कला टोली ने अपनी लोक-संस्कृति और नृत्य शैली से राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया।

# मुख्यमंत्री साय से केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की मुलाकात

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री चौहान का बस्तर आर्ट प्रतीक चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय एवं केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान के मध्य छत्तीसगढ़ के किसानों के सशक्तिकरण, कृषि विकास एवं ग्रामीण आजीविका से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित अंचलों में संचालित ‍नियद नेल्लानार‍ योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास से वंचित परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने की पहल की प्रशंसा की। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

# भिलाई में भव्य धार्मिक का हुआ आयोजन, आस्था के साथ समाजसेवा का दिया संदेश

## वीरा सिंह मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल भिलाई में संगत और आम नागरिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

सुपेला स्थित गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह जी में वीर शहीद बाबा दीप सिंह का जन्म दिवस श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरबाणी कीर्तन, अरदास एवं प्रवचन के माध्यम से संगत को गुरु परंपरा एवं बलिदान की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में ज्ञानी गुरदीप सिंह जी (हेड ग्रंथी, दमदमी टकसाल, अमृतसर), कीर्तन जथा भाई कमलप्रीत सिंह जी (हजूरी रागी) एवं ज्ञानी सुखविंदर सिंह (मुख्य ग्रंथी) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर, यूथ सिख सेवा समिति एवं सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह की अनुपस्थिति में उनकी माता श्रीमती कुलवंत कौर, समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। साथ ही छत्तीसगढ़ सिख पंचायत भिलाई-दुर्ग के अध्यक्ष जसवीर सिंह चहल, महासचिव गुरुनाम सिंह, यूथ सिख सेवा समिति के कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह, सर्व समाज कल्याण समिति के उपाध्यक्ष जोगा राव जी, शानू, इंद्रजीत सिंह चिंटू, सुनील यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान बीरा सिंह मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल, भिलाई द्वारा संगत एवं आम नागरिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श का लाभ उठाया। इस पहल की संगत एवं नगरवासियों ने सराहना की।

इसी क्रम में, रिक्शा कॉलोनी, अर्जुन नगर, वार्ड क्रमांक-29, कैंप-1 भिलाई में आयोजित काली माता, हनुमान जी एवं भगवान शंकर जी की मूर्ति स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में भी सर्व समाज कल्याण समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण शामिल हुए। उन्होंने आयोजकों एवं नगरवासियों को शुभकामनाएं देते हुए धार्मिक आस्था एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु, माताएं-बहनें एवं नगरवासी कार्यक्रम में सहभागी बने।

इसके साथ ही सेक्टर-1 भिलाई में सनातन धर्म एकता संघ एवं श्री श्यामाचरण भारत संघ के संयुक्त तत्वावधान में गुप्त नवरात्रि के अवसर पर आयोजित पंचकुंडीय महालक्ष्मी यज्ञ एवं सत्संग भागवत कथा में भी समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सम्मिलित हुए। उन्होंने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए समाजहित में ऐसे आयोजनों की निरंतरता की कामना की। कार्यक्रम में आयोजक धीरेंद्र मिश्रा जी, डॉ. हरजिंदर सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इन सभी धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में सर्व समाज कल्याण समिति एवं यूथ सिख सेवा समिति की सक्रिय सहभागिता ने सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारे एवं सेवा भाव की मिसाल प्रस्तुत की। आयोजनों के माध्यम से भिलाई नगर में धर्म, सेवा एवं सामाजिक एकता का सकारात्मक संदेश जन-जन तक पहुंचा।

## अधीनस्थ कमर्चारी अपने कार्य व आचरण व्यवहार पर रखें प्रभावी नियंत्रण

# नवनियुक्त IG दुर्ग रेंज अभिषेक शांडिल्य ने ली अधिकारियों की ली पहली बैठक, दिए निर्देश

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

नवनियुक्त आईजी दुर्ग रेंज अभिषेक शांडिल्य ने ली मंगलवार दोपहर 12.00 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष, भिलाई में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना/चौकी प्रभारियों की बैठक ली गई। बैठक के दौरान जिले के राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चौकी प्रभारियों से उनका परिचय प्राप्त कर जिले की पुलिसिंग में कसावट लेन आवश्यक निर्देश दिए गए।

वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित मामलों को रोकने के लिए शहर के व्यावसायिक संस्थानों में ऐसे संभावित संस्था/कंपनी की पतासाजी उनका सर्वे एवं उनका लिस्टिंग कर उनके लुभावने विज्ञापन एवं स्कीम के बारे में थाना स्तर पर जानकारी एकत्रित करें। सभी थाना प्रभारी अपने अधीनस्थ कमचारियों की गतिविधि एवं उनके कार्यो पर निगरानी एवं प्रभावी नियंत्रण रखें

### प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण करें

सभी थाना प्रभारी अधिक से अधिक प्रथम सूचना पत्र स्वयं दर्ज करें। खासकर वित्तीय धोखाधड़ी एवं गंभीर अपराधों से संबंधित प्रकरण में थाना प्रभारी अनिवार्य रूप से स्वयं प्राथमिकी दर्ज करें। थानों में धोखाधड़ी से संबंधित मामले बड़ी संख्या में लंबित हैं ऐसे एक वर्ष से अधिक समय से लंबित धोखाधड़ी के मामलो का प्राथमिकता से निराकरण करें। नए प्रावधान के अनुसार पंजीबध प्रकरणों का 60 एवं 90 दिनों में निराकरण करे।

बैठक में पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला दुर्ग, मणीशंकर चन्द्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण, सुश्री ऋचा मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, यातायात, श्रीमती ममता देवांगन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, आईयूसीएडब्ल्यू के अतिरिक्त जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना/चौकी प्रभारी उपस्थित थे।

## नगर निगम अधिनियम की धारा तहत बड़ी कार्रवाई, स्वास्थ्य अधिकारी ने प्रतिबंधित पिटबुल मालिक को दी अंतिम चेतावनी

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री वश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम की स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही ने अनुपम नगर रायपुर के निवासी अक्षत राव को उनके प्रतिबंधित पिटबुल नस्ल के पालतू कुत्ते द्वारा डॉग बाइट की घटना की जानकारी विभिन्न माध्यमों से मिलने पर उन्हें नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 273 के अंतर्गत नोटिस जारी करते हुए उनके द्वारा रखे गये प्रतिबंधित पिटबुल नस्ल के पालतू कुत्ते को सुरक्षित रूप से हटाने अथवा पूर्णतः नियंत्रित अवस्था (बाँधकर, बाड़ेबंदी कर) में रखने के निर्देश दिये है और निर्देशित किया है कि भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

नगर निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा विगत 16 जुलाई 2024 को अनुपम नगर निवासी श्री अक्षत राव को उनके द्वारा रखे गये पिटबुल नस्ल के पालतु कुत्ते द्वारा डॉग बाइट की घटना होने पर उन्हें नोटिस दी गई थी। किंतु डॉग बाइट की घटना की पुनरावृत्ति होने से इसका आमजनो के स्वास्थ्य सुरक्षा पर प्रतिकुल प्रभाव पड़ रहा है जो कि जनस्वास्थ्य की दृष्टि से गंभीर विषय है। नगर निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 273 के अंतर्गत भयंकर, जन-रोग के प्रसार की रोकथाम एवं जनस्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को निरीक्षण, नियंत्रण एवं आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने की शक्तियाँ प्राप्त हैं। निर्देशों की अवहेलना की स्थिति में संबंधित नागरिक के विरुद्ध अधिनियम एवं प्रचलित नियमों के अंतर्गत दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित नागरिक की होगी। निर्देशित किया गया है कि उक्त विषय में विशेष ध्यान रखते हुए तत्काल पालन सुनिश्चित करें।

## मुख्यमंत्री साय से क्रेडाई व रियल एस्टेट के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में क्रेडाई और रियल एस्टेट के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान क्रेडाई प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को आने वाले माह में विकसित भारत 2047 की थीम पर राजधानी रायपुर में आयोजित होने वाले नेशनल कन्वेशन के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सफल आयोजन के लिए अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर क्रेडाई के अध्यक्ष पंकज लाहोटी, संजय रहेजा, अभिषेक बछावत सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे

## गौ माता पर आधारित फिल्म गोदान का ट्रेलर हुआ रिलीज

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गौमाता पर बनी पहली फिल्म-'गोदान' का ट्रेलर लॉन्च किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गौमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। गौमाता ना सिर्फ आध्यात्मिक रूप से पूजनीय हैं बल्कि गाय का आर्थिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी बहुत महत्व है। मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म-'गोदान' को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री किए जाने की घोषणा की।

### छत्तीसगढ़ में होगी टैक्स फ्री, सीएम ने किया ऐलान

**कार्यक्रम** आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर दुर्ग कांग्रेस ने किया नमन

# नेताजी सुभाष का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणाश्रोत - धीरज बाकलीवाल

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

महान स्वतंत्रता सेनानी, आजाद हिंद फौज के संस्थापक और 'नेताजी' के नाम से विख्यात सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग शहर के तत्वावधान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत कांग्रेस भवन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात कांग्रेसजनों ने शहीद चौक पहुंचकर नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें नमन कर उनके बलिदान व योगदान को याद किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महानायक थे, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि ह्तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगाह्व का नारा केवल शब्द नहीं था, बल्कि करोड़ों भारतीयों के दिलों में आजादी की ज्वाला जगाने का संकल्प था।

श्री बाकलीवाल ने कहा कि नेताजी का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के सामने झुकने के बजाय सशस्त्र संघर्ष का मार्ग चुना और आजाद हिंद फौज का गठन कर भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा नेताजी के विचारों—देशभक्ति, साहस, त्याग और सामाजिक न्याय—पर चलने के लिए प्रतिबद्ध रही है।

पूर्व विधायक अरुण वोरा ने अपने वक्तव्य में कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा थे। नेताजी का राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और संगठन शक्ति आज की पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक है और कांग्रेस पार्टी को चाहिए कि वह उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाए।

इस दौरान पूर्व महापौर आर.एन. वर्मा, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले,ब्लॉक अध्यक्ष अलताफ अहमद, मनीष बघेल, देवश्री साहू, परमजीत भूई, राजकुमार पाली, नंदकिशोर शर्मा, विजेंद्र भारद्वाज,आदित्य नारंग,शिव चन्द्रशेखर पारख, शिव वैष्णव, राकेश साहू, मोहित वाल्दे, सुनीत घोष, खुर्शीद अहमद, आदिल चौहान,गोलू खान,पप्पू श्रीवास्तव, कमलेश नगारची, प्रशांत राव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

## गणतंत्र दिवस पर प्रांतीय महिलाओं ने किया पाक उत्सव का आयोजन

भिलाई। ग्रीन सिटी, में उत्कल संस्कृतिक परिषद जगन्नाथ मंदिर सेक्टर 6 में 26 जनवरी सोमवार को प्रातः 9:00 बजे झंडा फहराने के बाद मिठाई बाटी गई और रंगारंग डांस एवं संगीत का आयोजन किया गया उसके बाद 11:00 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक पाक उत्सव मेला का आयोजन उत्कल संस्कृतिक महिला मंडल द्वारा किया गया। सभी प्रांत के महिलाओं के द्वारा अपने-अपने हाथों से बनाए गए अत्पाहार एवं जलपान को उत्कल सांस्कृतिक परिषद जगन्नाथ मंदिर सेक्टर 6 के ग्राउंड में भिलाई नागरिक बांधो के बीच परोसा गया। भिलाई के सभी नागरिक बंधुओ नै डांस संगीत एवं सभी प्रांत के जलपान का भरपूर आनंद लिया। मंदिर में ध्वजारोहण अध्यक्ष दलित मोहती उपाध्यक्ष रविंद्र साहू सचिव अरुण पांडा संजय साहू,प्रशांत सामल राजेंद्र पांडा तुषार महापात्र और अन्य सदस्य गण और महिला मंडल महिलाओं के समस्त सदस्य मौजूद थे।

## जवाहर नगर स्थित के एच मेमोरियल स्कूल में गणतंत्र दिवस धूमधाम के साथ मनाया

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भिलाई के जवाहर नगर स्थित के एच मेमोरियल स्कूल में 77 वीं गणतंत्र दिवस धूमधाम के साथ से मनाया गया, के एच एजुकेशन सोसाइटी की उपाध्यक्ष सीता झा ध्वजारोहणकर छात्र-छात्राओं एवं देशवासियों को शुभकामनाएं दी, इस कार्यक्रम में के एच विभा झा और एमएसएमई के अध्यक्ष के के झा और के एच स्कूल के डायरेक्टर निश्चय झा,के एच टाइनी टॉट डायरेक्टर सृष्टि झा सहित स्कूल के टीचर मौजूद थे।

## देशभक्ति गीत के साथ उड़ीसा की संस्कृति भी दिखी, बच्चों ने दी मोहक प्रस्तुति

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

गणतंत्र दिवस के अवसर पर जोन 1 सड़क 8 खुर्सीपार में ध्वाज रोहण कर धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय उड़िया समाज के प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी थे। अध्यक्षता समाज के महासचिव तरुण निहाल ने किया। अतिथियों ने मिलकर ध्वजा रोहण कर राष्ट्रगान गाया। इसके अलावा बच्चों द्वारा देश भक्ति गीत पेश किया। साथ ही उड़िया गीतों पर बच्चों ने मन मोहक अपनी प्रस्तुति दी। संचालन ओम प्रकाश बंछोर ने किया। कार्यक्रम में सरोजनी बाई सोनी, शैलेन्द्र दीप, मंटू हरपाल, ललित सिक्का, शुभांगीनी कुमार, बिंदु दीप, अभिलाषा कुमार मंजू शेंडे, अरुणी कुमार, प्रिया सिंदुर, कल्पना, रितु दीप, सुदानी, पिंकी सोनी, लीलावती बंछोर, सुशीला सिंदुर, मनोज कुमार, विनोद जोसप,अमर दीप, भारत कुमार, प्रवीण, नवीन, संतोष, गंगा प्रसाद, जितेन्द्र, हुकुम दीप, पुरुषोतम,करण कुमार समेत अन्य लोग भी मौजूद थे।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।